

Daily सच के हक में...

Sonakshi Sinha Call Husband...

Ranchi ● Friday, 03 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 341 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

फोटोन एक्सक्लूसिव... जनवरी से लेकर अक्टूबर २०२४ तक छेड़खानी और दुष्कर्म के १३२६ मामले आए सामने

लेस के प्रयास नाकाम, हर दिन लुट रही चार की अस्मत

SUHAIB ANSARI @ RANCHI

झारखंड में बेटियों की सुरक्षा के लिए पुलिस हर जरूरी कदम उठा रही है। इसके बावजूद महिलाओं की सुरक्षा बदमाश सफल साबित हो रहे हैं। आज हम बात कर रहे हैं दिन चार महिलाओं की अस्मत लूटी जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में 10 महीनों में 1326 महिलाओं को हैवानों ने अपना शिकार बनाया। यह आंकड़े स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) ने जारी किए हैं। यह डराने वाली स्थिति है। महिलाओं की सुरक्षा पर एक बड़ा सवाल है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में जनवरी 2024 से

चिंता का सबब बनी हुई है। सख्ते कानून और पुलिस के नए-नए तरीकों के बावजूद बेटियों को निशाना बनाने में राज्य में महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म पर। यहां हर

लेकर अक्टूबर 2024 तक 1326 महिलाओं की अस्मत लूटी जा चुकी है। सबसे ज्यादा घटनाएं जून 2024 में हुईं। इस महीने 185 महिलाओं को टारगेट किया गया। जनवरी माह में 100 महिलाओं फिर दृष्कर्म के मामले सामने आए। हालांकि ये आंकड़े दुष्कर्म के साथ-साथ शादी का झांसा देकर यौन शोषण से भी जुड़े हैं।

ज्यादातर मामलों में आरोपियों को पुलिस कर लेती है अरेस्ट, ऐसे मामलों की लिस्ट बहुत लंबी, कई मामले दब गए

कई मामलों में लोक-लाज के डर से मौत को लगाया गया गले कड़ी कानूनी व्यवस्था के बावजूद नहीं रुक रहीं घटनाएं कानूनी सख्ती के बाद भी असर नहीं 🛮 जून में सबसे ज्यादा दुष्कर्म दुष्कर्म के मामले में सख्त कानून बनाए गए हैं। गिरफ्तारी, स्पीडी के 185 मामले, जबकि ट्रायल, कड़ी से कड़ी सजा के बावजूद जनवरी में 100 झारखंड में हर दिन ४ महिला दुष्कर्मे की • समाज के भीतर भी शिकार हो रही हैं। ये सरकारी आंकड़ो के सुरक्षा को लेकर बढ अनुसार है। ऐसे घटनाओं की लिस्ट बहुत लंबीहै। कई मामलों को लोक-लाज की रही चिंता वजह से दबा दिया जाता है। कई ऐसे दुष्कर्म के साथ– मामले भी समाने आएं हैं, जहां महिलाएं हादसे के बाद मौत को गले लगा लेतीं हैं। साथ यौन शोषण

फरवरी - 110 मार्च 128 140 131 जून 185 _ जुलाई 143

किस माह कितनी घटनाएं

45 दिनों के अंदर दाखिल करें चार्जशीट पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को यह निर्देश दिया है कि यौन शोषण व दुष्कर्म के मामले में 30 दिनों में जांच पूरी कराएं। इसके बाद केस के सुपरविजन के बाद 45 दिनों के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने का आदेश है। फिर पुलिस मामले की स्पीडी ट्रायल के लिए अदालत से आग्रह करेगी, ताकि दोषियों को शीर्घ सजा मिल सके

क्या है सजा का प्रावधान

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70(1) कहती है कि अगर कोई 12 वर्ष से कम उम्र की बच्ची के साथ दुष्कर्म करता है, तो उसे उम्रेकेद तक की सजा हो सकती है। इसमें फांसी की सजा का भी प्रावधान है। अगर किसी के साथ सामूहिक दुष्कर्म होता है, तो सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा हो सकती है। अगर कोई बार-बार इस मामले में दोषी पाया जाता है, तो उसे कम से कम

उम्रकेद की सजा होगी। अगर कोई व्यक्ति शादी, रोजगार या प्रमोशन का झढा वादा करके यौन संबंध बनाता है, तो इसमें 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। अगर कोई व्यक्ति अपनी पहचान छिपाकर विवाह करता है, तो उसे 10 साल की सजा का प्रावधान है। अगर दुष्कर्म के बाद पीड़ित की जान चली गई या वह कोमा जैसी स्थिति में चली जाती है, तो दोषी को कम से कम 20 साल की सजा होगी।

पेज ०३ पर पढ़ें- कई जिलों में सामने आए चौकाने वाले मामले

: 82,948.23 : 25,377.55

6,795

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

धोखाधडी मामले में ईडी ने आठ जगहों पर मारी रेड

NEW DELHI: गुरुवार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु में १००० करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल में आढ जगहों पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने कोलकाता के पार्क स्ट्रीट, साल्ट लेक और बागुइहाटी इलाकों में पांच जगहों और अन्?य जिलों में तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है, जो फिलहाल जारी है। अधिकारी सूत्रों ने कहा कि साल्ट लेक इलाके में छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासंत में लिया है।

इजरायली हमले में तीन बच्चों सहित 18 की मौत

NEW DELHI: गुरुवार को गाजा पट्टी पर इजरायली हमले में तीन बच्चे और हमास संचालित पुलिस बल के दो उच्चाधिकारियों समेत १८ लोग मारे गए। फलस्तीनी और अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजरायल द्वारा मानवीय क्षेत्र घोषित किए गए मवासी नाम के इलाके में लगाए गए एक तंबु पर हमला किया गया। इस इलाके में लगाए गए तंबुओं में हजारों विस्थापित लोग ठंड और बरसात से बचने के लिये रह रहे हैं

रुपया ९ पैसे फिसलकर 85.73 प्रति डॉलर पर पहुंचा

MUMBAI: गुरुवार को स्थानीय शेयर बाजारों में जोरदार उछाल के बीच आयातकों से डॉलर की मजबत मांग आने और विदेशी कोषों की निकासी जारी रहने से रुपया डॉलर के मुकाबले नौ पैसे गिरकर 85.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ। मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि 2024 में अधिकांश मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी रही थी और यह सिलसिला नए साल में भी जारी रहने की

मेसर्स ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड के माध्यम से थे कार्यरत

सीएम की पहल पर कैमरून में फंसे सभी ४७ श्रमिक लौटे

PHOTON NEWS RANCHI:

से भी जुड़े हैं ये

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पश्चिमी अफ्रीका के कैमरून में फंसे झारखंड के श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो रही है। इसी क्रम में एक बार फिर गुरुवार को 27 श्रमिकों की सुरक्षित वापसी हुई। शेष 9 श्रमिक 3 जनवरी की सुबह बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। मालूम हो कि कैमरूम में फंसे 47 श्रमिकों में से 11 श्रमिकों की वापसी 29 दिसंबर को हुई थी। इसके बाद गुरुवार को 27 श्रमिकों को सुरक्षित लाया गया। शेष श्रमिक भी भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन ये सभी शक्रवार की सबह झारखंड पहंचेंगे। झारखंड के हजारीबाग. बोकारो तथा गिरिडीह के 47 श्रमिक सेंटल वेस्ट अफ्रीका के कैमरून में मेसर्स ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड के माध्यम से अगस्त 2024 से कार्यरत थे. जिन्हें वेतन भुगतान और कंपनी द्वारा अच्छा व्यवहार नहीं किए

वेतन भुगतान व कंपनी के खराब व्यवहार की हेमंत को मिली थी जानकारी

इधर, पुलिस भी इन हैवानों के खिलाफ

सख्त एक्शन लेती है। आरोपियों को फौरन

🗕 राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई करने का सीएम ने दिया था निर्देश

एयरपोर्ट पर श्रमिकों का स्वागत करते अधिकारी।

 नियोजकों पर हुई कार्रवाई, श्रमिकों का ३९,७७,७४३ बकाया कराया गया भूगतान • शेष ९ श्रमिक आ चुके हैं भारत, आज रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे

• फोटोन न्यूज

करते हुए श्रमिकों और संबंधित

कंपनी से संपर्क कर मामले का

 29 दिसंबर 2024 को झारखंड पहुंचे थे 11

'श्रमिक भाइयों को योजना से जोड़ें'

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों की वापसी के बाद विभागीय सचिव को इन श्रमिकों का पारिवारिक विवरण संग्रह कर सरकार द्वारा संचालित

संबद्घ करने निर्देश के उपरांत सभी संबंधित श्रम अधीक्षकों ने श्रमिकों का विवरण प्राप्त कर उन्हें योजनाओं का लाभ देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। किसी भी श्रमिक को बाहर जाकर काम करने की स्थिति नहीं

आनी चाहिए।

पूछताछ में आरोपी ने उगला राज, घर में भी जांच एजेंसी की टीम ने दी दस्तक 37 हजार घूस लेते दबोचे गए सदर अंचल के सीओ

जाने की जानकारी मुख्यमंत्री को नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई

प्राप्त हुई थी। इसके बाद का निर्देश दिया था। राज्य प्रवासी

मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने त्वरित कार्रवाई

भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) की कार्रवाई लगातार तेज हो गई है। गुरुवार को रांची एसीबी की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए रांची सदर के सीओ मुंशी राम को 37 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। साथ ही सीओ के घर पर छापेमारी करते हुए 11.42 लाख रुपये बरामद किया गया। सीओ ने जमीन का सीमांकन कराने के एवज में परिवादी से रिश्वत की मांग की थी। पूरे मामले का खुलासा झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने एसीबी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ पुलिस की अभियान अनवरत जारी है।

छापेमारी के दौरान सीओ के घर से ११.४२ लाख रूपये भी बरामद



दो बार फीस लेकर भी नहीं कराया जमीन का सीमांकन

डीजीपी ने बताया कि परिवादी का चूटिया थाना क्षेत्र के सिरमटोली में खाता संख्या-150 खेसरा संख्या-415 बी, मौजा नंबर-210, शहर अंचल में कुल रकबा 3 कट्टा 08 छटाक जमीन है। यह जमीन सरदार गली, भट्टी टोली में है। इस जमीन का सीमांकन कराने के लिए वादी कई बाद सदर अंचल पहुंचा। लगातार वादी को दौडाया गया। सदर सीओ मुंशी राम जमीन कराने के लिए दो बार फीस भी दिया। इसके बाद भी सीओ ने जमीन का लेकिन सीमांकन नहीं कराया।

समाधान की जरूरत : जलवायु परिवर्तन के कारण पैदा हो रहीं अनेक जटिल समस्याएं

जिंदगी बचाने में सोलर जियो इंजीनियरिंग की भूमिका अहम

AGENCY NEW DELHI: उन्नति, प्रगति और विकास की दिशाएं हमारी

आवश्यकताओं के हिसाब से तय होती हैं। आज के ग्लोबल परिदृश्य में हम कट कर विकास के रास्ते को प्रशस्त नहीं कर सकते हैं। अगर आवश्यकता आविष्कार की जननी है, तो आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बिना सोचे-समझे किए गए कार्य अतिरिक्त समस्याएं भी पैदा करते हैं। ऐसी स्थिति में विकास के कदमों के साथ उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान की कारगर दृष्टि ही सब कुछ को संतुलित रख पाती है। आज के विकास की गति से जलवायु परिवर्तन के खतरे हमें चेता रहे हैं। जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं का निदान आवश्यक है। इसमें सोलर जियो इंजीनियरिंग की भूमिका अत्यंत अहम है। जलवायु परिवर्तन के खतरों को सोलर जियो इंजीनियरिंग से कम कर सकते हैं। इससे धरती को जल्दी ठंडा किया जा सकता है। यह तकनीक दुनिया के उत्सर्जन को सीमित करने और वातावरण से कार्बन को हटाने के प्रयासों को पूरी तरह से सफल बना सकती है।

विकास की दिशाओं को संतुलित बनाए रखने के लिए जलवायु की शुद्धता जरूरी कमजोर वायुमंडलीय ओजोन परत के कारण बढ़ती जा रहीं स्वास्थ्य समस्याएं बाढते तापमान की वजह से

हर साल करीब चार लाख लोगों की हो जाती है मौत 🛮 गर्म होती जा रही धरती को ठंडा करने की प्रक्रिया का

• नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित की गई है विस्तृत जानकारी

विशेषज्ञों ने किया अध्ययन

क्लाइमेट चेंज की वजह से देश के 51 जिलों में भीषण बाढ़ व 91 में सूखे का खतरा



बारिश में १० फीसद का इजाफा

रिपोर्ट के मुताबिक, देश की 4,000 से अधिक तहसीलों में से लगभग 55 फीसदी में पिछले दशक यानी 2012-22 तक जलवायु आधार रेखा (1982–2011) की तुलना में मानसूनी बारिश में 10 फीसद की वृद्धि देखी गई है। इस वृद्धि का अधिकांश हिस्सा राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों के पारपरिक रूप से सूखे इलाकों में दर्ज हुआ है।

र्डेजर का लगातार बढ़ रहा दायरा

जलवायु परिवर्तन की वजह से देश के 51 जिलों में भीषण बाढ़ और 91 जिलों में भयंकर सूखे का खतरा मंडरा रहा है। इसके अलावा अन्य १७८ जिले उच्च बाढ़ और 91 जिले उच्च सूखे की जद में हैं। 11 जिले बाढ़ और सूखे दोनों के भयंकर खतरे में हैं। इनमें पटना, केरल में अलपुझा, असम में चराईदेव, डिब्रूगढ़, शिवसागर, दक्षिण सलमारा-मनकाचर, गोलाघाट, ओडिशा में केंद्रपाड़ा, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद, नादिया और उत्तर दिनाजपुर शामिल हैं। जॉर्जिया टेक स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी की अगुवाई में किए गए ताजा अध्ययन में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान की वजह से हर साल होने वाली करीब चार लाख लोगों की मौतों को रोका जा सकता है।

झारखंड कैडर के तीन आईपीएस केंद्र में आईजी रैंक के पैनल में हुए शामिल



RANCHI: झारखंड में पुलिस महकमा के लिए एक और खुशखबरी। 31 दिसंबर की देर रात जहां झारखंड कैडर के 9 आईपीएस अफसरों को सरकार ने प्रमोशन दिया, वहीं अब 3 आईपीएस अधिकारियों को केंद्र में

आईजी रैंक के देश के अन्य पैनल में शामिल राज्यों के 68 किया गया है। तीनों अधिकारिय अधिकारी झारखंड कैडर के 2006 बैच के आईपीएस

हैं। झारखंड कैडर के जिन आईपीएस को केंद्र में आईजी रैंक में पैनल किया गया है, उनमें ए विजय लक्ष्मी, आईजी ट्रेनिंग, अनूप टी मैथ्यू और बोकारो के जोनल आईजी माइकल राज एस शामिल हैं। अभी अनुप टी मैथ्यू केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। बता दें कि देशभर के कई राज्यों से 71 आईपीएस अधिकारियों को आईजी रैंक के लिए इंपैनल किया गया है। गौरतलब है कि कि केंद्र सरकार की नियुक्ति समिति ने पूरे देश के आईपीएस अफसरों को आईजी रैंक व आईजी समानांतर पद पर इंपैनल करने के लिए विचार किया था। यह मंथन 2006 बैच के आईपीएस अफसरों के लिए किया गया था। जिन सीनियर अधिकारियों को केंद्रीय पैनल में शामिल किया गया है

उनका परफॉरमेंस बेटर रहा है।

डी. गुकेश, हरमनप्रीत, मनु भाकर और प्रवीण को दिया जाएगा खेल रत पुरस्कार



गुरुवार को दो ओलिंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज विश्व चैंपियन डी. गुकेश समेत चार खिलाड़ियों को इस साल देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेलरत पुरस्कार के लिए चुना गया है, जबिक अर्जुन पुरस्कार के लिए चने गए 32 खिलाडियों में रिकॉर्ड 17 पैरा एथलीट हैं। खेलरत्न पुरस्कार पाने वालों में पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कमार भी शामिल हैं। विजेताओं को 17 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति भवन में एक विशेष कार्यक्रम में परस्कार प्रदान करेंगी। बाईस वर्ष की मनु एक ही ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम

स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

अर्जुन पुरस्कार • विजेताओं को १७ जनवरी

को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म् करेंगी पुरस्कृत

यह घोषणा उन खबरों के कुछ दिन बाद आई, जिनमें कहा गया था कि आवेदन नहीं करने के कारण पुरस्कार चयन समिति ने मन के नाम की खेलरत्न के लिये अनुशंसा नहीं की है। बाद में मनु ने स्वीकार किया कि नामांकन भरते समय शायद उनसे ही चक हुई थी। मसला सलझने के बाद मनु को पुरस्कार मिलने को लेकर कोई शक नहीं था । पेरिस ओलिंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीता। अठारह वर्ष के गकेश सबसे यवा विश्व चैंपियन बने, जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे।

झारखंड की हॉकी खिलाडी सलीमा को अर्जन अवार्ड

RANCHI: झारखंड की सलीमा टेटे को इस साल अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वह राज्य की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी बन गई हैं. जिन्हें यह प्रतिष्ठित परस्कार मिलेगा। इससे पहले झारखंड के ओलंपियन स्व. माइकल किंडो को अर्जुन पुरस्कार से नवाजा

गया था। बता दें कि सलीमा टेटे का संघर्ष बहुत प्रेरणादायक है। सिमडेगा जिले के बड़की छापर गांव की रहने वाली सलीमा कभी अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में रहा करती थीं। उनके पिता सुलक्षण टेटे भी स्थानीय स्तर पर हॉकी खेलते थे। बचपन में सलीमा के पास हॉकी स्टिक नहीं थी। इसलिए उन्होंने बांस की खपच्ची से बनी स्टिक से हॉकी खेलना शुरू किया था। इस संघर्ष और मेहनत के साथ उन्होंने जिला, राज्य, देश और फिर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। सलीमा टेटे ने टोक्यो

ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा बनकर अपनी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इस दौरान सलीमा के घर में टीवी नहीं था, जिससे परिवार वाले अपनी बेटी का खेल देख नहीं पा रहे थे। लेकिन जब यह खबर प्रसारित हुई तो सरकार की पहल पर उनके घर में रमार्ट टीवी और इनवर्टर लगाया गया, ताकि परिवारवाले आराम से सलीमा का मैच देख सकें।

'इंडिया' गढबंधन में शामिल होने के लिए मिला खुला न्योता

लालू के ऑफर पर नीतीश ने दिया गोलमोल जवाब

गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद के विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में वापस आने के प्रस्ताव पर गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, क्या बोल रहे हैं। राजभवन में नए राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हए कुमार से जब लालू प्रसाद के नए प्रस्ताव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए बस इतना ही कहा, ह्यक्या बोल रहे हैं। खान और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ खड़े कुमार से जब यह



पूछा गया कि क्या राज्य सरकार अपना कार्यकाल पुरा कर पाएगी, तो नवनियुक्त राज्यपाल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, इस तरह के सवाल पूछने का यह सही समय नहीं है। आज ख़ुशी का दिन है। हमें सिर्फ अच्छी चीजों के बारे में बात करनी चाहिए। बता दें कि पिछले एक दशक के दौरान कुमार दो बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल राजद के साथ गठबंधन कर चुके हैं।

सवारी गाड़ी पलटी, महिला की मौत, एक दर्जन घायल

गोमिया प्रखंड के करमाटांड़-चेलियाटांड़ मुख्य सड़क स्थित बनचतरा रोड पर हादसा

वाहन में करीब 20 यात्री थे सवार, सामने से आ रही बाइक को बचाने में हुई दुर्घटना

बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में गुरुवार को सवारी गाड़ी पलटने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन यात्री घायल हो गए। घटना करमाटांड-चेलियाटांड मख्य सड़क स्थित बनचतरा रोड पर बाइक सवार को बचाने के दौरान हुई। दूसरी ओर बाइक सवार युवक के पैर भी कई हिस्सों में टूट गए। आनन-फानन घायलों को गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायलों को बोकारो सदर रेफर कर दिया गया। सवारी गाडी में लगभग

घटना के संबंध में घायल प्रत्यक्षदर्शियों इजराइल अंसारी व आशना परवीन ने बताया कि वे सभी सवारी गाड़ी से गोमिया की



दुर्घटनास्थल पर वाहन के पास लगी भीड

सवारी गाडी को सीधा करा भगाने लगा चालक

ग्रामीणों ने बताया कि चालक मुर्तजा अंसारी उर्फ बुधन मियां द्वारा पलटी सवारी गाड़ी को ग्रामीणों द्वारा सीधा किए जाने के बाद घटनास्थल से भगा ले जाने से भारी बवाल हो गया। आनन-फानन पुन: गाड़ी को घटनास्थल पर लाकर खडा किया गया। घटना की सूचना चतरोचट्टी थाना की पुलिस को दी गई। एसआई मंट्र गुप्ता के सदलबल पहुंचने के बाद मामला शांत हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक व सवारी गाड़ी को भी

विपरीत दिशा से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के दौरान सवारी गाड़ी पलट गई। इसमें लोधी निवासी सह प्रवासी मजदर (जो मंबई में

BRIEF NEWS

डीसी नैन्सी सहाय ने जरूरतमंदों में बांटे कंबल

HAZARIBAG: भीषण शीतलहरी के बीच उपायुक्त नैन्सी सहाय ने

गुरुवार को जिले के विभिन्न गांवों में कंबल वितरण अभियान की

शुरूआत की। यह अभियान तिलरा गांव (बिरहोर टोला), चंपानगर

नवाडीह पंचायत, इचाक और रोमि गांव (पदमा) में आयोजित किया

गया। इस पहल का उद्देश्य समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग को ठंड

से बचाने के लिए सहायता प्रदान करना था। इस दौरान उपायुक्त ने बिरहोर

समुदाय समेत ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना।

उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी

योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक प्राथमिकता से पहुंचे। इस अवसर

पर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है

डीसी से मिले चौकीदार पद के चयनित अभ्यर्थी

KHUNTI: चौकीदार बहाली प्रक्रिया में चयनित अभ्यर्थियों ने गरुवार को

समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त लोकेश मिश्रा से

मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से

संपन्न कराई गई बहाली प्रक्रिया के लिए जिला प्रशासन और उपायक्त के

प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर उपायुक्त ने चयनित अभ्यर्थियों को

बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों को पूरी

ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएं। उन्होंने अभ्यर्थियों को निर्देश दिया

कि अपने कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी भूमिका का निर्वहन

करें और जिले में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में योगदान दें।

चौकीदार बहाली प्रक्रिया का सफल और पारदर्शी आयोजन जिला

प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उपायुक्त ने सभी चयनित अभ्यर्थियों

सड़क दुर्घटना में मुखिया संघ के अध्यक्ष घायल

CHATRA: प्रतापपुर -हंटरगंज मुख्य पथ स्थित बराटपुर मोड़ के समीप

प्रतापपर सामदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती किया गया। जहां पर डॉक्टर

के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। इस संबंध में बाईक चालक

बैजनाथ यादव ने बताया कि टंडवा मुखिया किशोर यादव अपने पंचायत

के कार्य निपटाकर बाईक से वापस प्रतापपुर आ रहे थे। इस दौरान बीच

रास्ते में बराटपुर मोड़ के समीप अचानक गांव का बच्चा दौड़ गया। बच्चे

दुर्घटना

में

मुखिया सह संघ के

प्रखंड अध्यक्ष किशोर

बरवाकोचवा निवासी

बैजनाथ यादव घायल

हो गये हैं। दोनों घायलों

को ग्रामीणों की मदद से

टंडवा

के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कि समाज के कमजोर वर्ग को हरसंभव सहायता मिले।

काम करते हैं) मो. रब्बानी अंसारी की पत्नी नशीबुन खातून (34) की मौके पर ही मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। बताया गया कि

अब दिनदहाड़े दुकानों में पहुंचकर

दुकानदार के खाते में पैसे डलवा

रहे हैं और उन्हें फ्रॉड का शिकार

बना रहे हैं। ऐसा ही मामला पलामू

जिले के पांकी थाना क्षेत्र से आया

है। ग्राम महुगांई निवासी अनूप

कुमार रजक साइबर फ्रॉड का

शिकार हो गए। अनूप कुमार रजक

ने गुरुवार को बताया कि उनकी

सगालीम बस स्टैंड में अनुप

टेलीकॉम नाम से दुकान है। वह

दुकान में पैसों की जमा निकासी

भी करते हैं। 29 दिसम्बर की

सुबह 10 बजे एक अज्ञात व्यक्ति

ग्राहक बनकर आया और बोला

कि किसी दूसरे जगह से आपके

खाते में 24000 रुपए पैसे

डलवाने हैं, कितना चार्ज लगेगा।

अनुप ने उससे एक हजार में दस

रुपए चार्ज लगने की बात कही।

पैसे डलवाने के लिए उसने

अपनों को ढूंढने के साथ उनकी देखभाल करते नजर आए। दुर्घटना के बाद कई स्थानीय जनप्रतिनिधि भी घायलों को देखने अस्पताल पहुंचे। घायलों में स्वांग निवासी युवक आमिर अंसारी बाइक सवार है, जो

घायलों की चीख-पुकार

सडक दुर्घटना की सुचना मिलने के

बाद गोमिया बीडीओ महादेव महतो

चिकित्सकों से बात कर तूरंत उन्हें

बोकारो सदर रेफर कराया। इस

दौरान अस्पताल में पर्याप्त रोशनी

ने खुद अपने मोबाइल की लाइट

दुर्घटना के बाद दुर्घटना स्थल के

साथ गोमिया अस्पताल परिसर

घायलों की चीख-पुकार से गूंज

उटा। यहां कई लोगों के स्वजन

नहीं होने के कारण गोमिया बीडीओ

जलाकर चिकित्सकों की मदद की

घायलों का हाल–चाल लेकर

तत्काल गोमिया सीएचसी पहुंचे और

से गूंजा अस्पताल

स्वांग से कुर्कनालो स्थित अपनी

ढगी का शिकार दुकानदार

दुकानदार से बैंक खाते का स्कैनर

लिया। 10.18 बजे दुकानदार के

खाते में 24000 रुपए आ गए।

उक्त व्यक्ति ने उनसे 24000 कैश

लिया और 240 रुपए देकर चला

गया। अनुप ने बताया कि 2

जनवरी गुरुवार को उनके मोबाइल

पर 24000 रुपए होल्ड होने का

मैसेज आया। तत्काल बैंक जाकर

जानकारी ली तो पता चला कि

24000 रुपए का होल्ड लखनऊ

दुकानदार हुआ साइबर फ्रॉड का

शिकार, खाते को किया होल्ड

था, सवारी गाड़ी से टकरा गया। घटना में आमिर के पैर कई हिस्सों में टूट गए, जिसको गोमिया सीएचसी से प्राथमिक इलाज करने के बाद बोकारो सदर रेफर कर दिया गया। वहीं अन्य घायलों में रामगढ़ जिले के इजराइल अंसारी (38) हैं, जो लोधी अपने रिश्तेदार के घर आए थे और गुरुवार को गोमिया जा रहे थे। उन्हें पैर में गंभीर चोटें आई हैं। लोधी की बच्ची आशना परवीन (12) को सिर में गंभीर चोट आई है। लहिया नारायणपुर की समा परवीन (34) भी गंभीर रूप से घायल हुई है। वह अपने फुफा मुस्तफा अंसारी के घर लोधी आई हुई थी। इसी प्रकार आसमा खातून (40) को सर में गंभीर चोट आई है। लोधी निवासी मो. मुशर्रफ (14), लोधी निवासी खुशबू खातून (70) व लखवा खातून भी

पांच लोगों ने किया एक युवक पर जानलेवा हमला

गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

RAMGARH: रामगढ शहर के गोलपार में पुरानी दुश्मनी के कारण पांच लोगों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। नए साल के जश्न में जहां लोग डूबे हुए थे। वहीं नशे में धुत्त लोगों ने पुरानी दुश्मनी भी साधी। इस मामले में गंभीर रूप से घायल युवक रोहित कुमार ने रामगढ़ थाने में गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। साहू कॉलोनी का रहने वाला रोहित कुमार एक जनवरी को जयसवाल कॉलोनी की तरफ जा रहा था। इसी दौरान गोलपार में ही पांच युवकों ने उसे घेर लिया और उस पर जानलेवा हमला किया। पहले उसे बुरी तरीके से पीटा गया और फिर धारदार हथियार से उसपर हमला किया गया। रोहित ने पुलिस को बताया कि उसे पीटने वालों में रियाज अंसारी, अरबाज अंसारी, सेराज अंसारी, नवीन श्रीवास्तव और राहुल मालाकार शामिल हैं। रामगढ़ पुलिस ने इस मामले में उन पांच युवकों के

सिमडेगा में बेटी ने कर दी पिता की हत्या

SIMDEGA: झारखंड के सिमडेगा

में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिले के ठेटईटांगर थाना क्षेत्र के कोनमंजरा मांझी टोली में बेटी ने अपने ही पिता की धारदार करनी से मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनसार, कोनमेंजरा के मांझीटोली निवासी सोमारू बड़ाइक नामक व्यक्ति की बेटी मानसिक रूप से अस्वस्थ है। सोमारू बड़ाइक राजमिस्त्री का काम करता था। किसी बात को लेकर सोमारु की बेटी उससे गुस्सा गई और उसने धारदार करनी (ईंट जोड़ाई में सहायक उपकरण) से अपने पिता पर धडाधड हमला कर दिया। इससे सोमारू खून से लथपथ हो गया। वह अपनी जान बचाने के लिए बदहवास होकर भागा। वह बेटी के हमले से बचने के लिए पड़ोस के घर में घुस गया, लेकिन उसने पड़ोसी के आंगन में पहुंचकर दम तोड़ दिया। गुरुवार की सुंबह जब लोगों ने उसका शव देखा तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पहुंची और अग्रतर कार्रवाई शुरू कर दी हैं। इधर घटना की सूचना के बाद कोलेबिरा विधायक नमन विंक्सल कोंगाडी के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि शमी आलम भी घटनास्थल पहुंचकर हालत का जायजा लिया।

धनबाद में छात्र-छात्रा ने चरवाहे को उतार दिया मौत के घाट

DHANBAD: धनबाद्र जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। विश्वाडीह जंगल में दसवीं कक्षा के एक छात्र-छात्रा को आपत्तिजनक स्थिति में देखने पर 30 वर्षीय चरवाहा संतोष महतो उर्फ मजनू की हत्या कर दी गई। घटना पूर्वी टुंडी थाने से महज एक किलोमीटर की दुरी

बताया जाता है कि संतोष महतो रोज की तरह जंगल में मवेशियों को चरा रहा था। इस दौरान उसने प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक स्थिति में देखा। संतोष दोनों को पहचानता था और दोनों भी उसे भलीभांति जानते थे। यह सोचकर कि वह उनके परिजन को बता सकता है, छात्र-छात्रा ने संतोष की हत्या की योजना बनाई। दोनों ने संतोष को जमीन पर पटक दिया और पास में पड़े

• आपत्तिजनक स्थिति में देखे गए थे दोनों • पत्यक्षदर्शी बच्चों ने

गांव में बताई घटना

बडे पत्थर से उसके सिर पर कई बार वार किए। इससे संतोष की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान गांव के दो छोटे बच्चों ने प्रेमी जोड़े को देखकर शोर मचाया। उन्होंने तुरंत गांव जाकर परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। जब तक लोग पहुंचे, संतोष दम तोड़ चुका था। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना पत्थर, एक चांदी की चेन और कंडोम बरामद किया है। छात्र-छात्रा ने पुलिस के सामने अपना जर्म कबल कर लिया है। दोनों

को कोर्ट में पेश कर अग्रिम

कार्रवाई की जा रही है।

बागबेड़ा से गिरिडीह जाकर पुजारी के घर की थी डकैती, पकड़े गए

गिरिडीह पुलिस ने धनवार थाना क्षेत्र में बोते 31 दिसम्बर की रात में राजा मंदिर के पुजारी चन्द्रिका पांडेय के घर हुई डकैती कांड का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) जिला के गांधी नगर बागबेड़ा निवासी रोहित कुमार शर्मा उर्फ टुटु विश्वकर्मा और आकाश मिश्रा शामिल है। इनके पास से पुलिस ने एक देशी पिस्टल, दो गोली, एक देशी कट्टा, एक गोली, दो मोबाईल और चार हजार नगद रुपये नकद बरामद किये गये हैं। एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों ने अपना स्वीकारोक्ति बयान में अपना-अपना

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देते एसपी डॉ. विमल कमार

दोष स्वीकार किया है। साथ ही यह भी बताया कि बीते आठ दिसंबर को धनवार थाना क्षेत्र के नकटीटांड़ मोदी के घर में लूट की घटना को भी इन्ही लोग के जरिये हीं अंजाम दिया गया था। उनके स्वीकारोक्ति बयान पर धनवार थाना में मामले का काण्ड दर्ज किया गया था। काण्ड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताया गया कि छापेमारी

टीम में एसडीपीओ खोरीमहुआ और इंपेक्टर जमुआ के अलावे थाना प्रभारी धनवार सत्येन्द्र कुमार पाल, थाना प्रभारी जमुआ मणिकान्त कुमार, थानाप्रभारी हीरोडीह धर्मेन्द्र अग्रवाल, धनवार थाना के पुलिस अवर निरिक्षक रविन्द्र कुमार, सहायक अवर निरिक्षक अशोक मण्डल एवं तकनीकी शाखा के आरक्षी जोधन

महाराष्ट्र से एसडीएम के नाम से आया लेस्लीगंज बीडीओ को कॉल, मांगे पैसे

जिले के नीलांबर पितांबरपुर-लेस्लीगंज के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी सनील कमार सिंह को कॉल कर-के खाते में पैसे मांगे गए। फोन करने वाले शख्स ने खुद को एसडीएम बताया और खाता नंबर भेजने की बात कहते हुए पैसे ट्रांसफर करने को कहा। लगातार 10 बार कॉल आने पर बीडीओ सह सीओ ने इसकी जानकारी थाना प्रभारी को दी और जांच कर कार्रवाई करने को कहा है। थाना प्रभारी की जांच में पता चला है कि बीडीओ सह सीओ को महाराष्ट्र से कॉल किया गया था। पूरे मामले की जांच तेज कर दी गयी है। नीलांबर पितांबरपुर-लेस्लीगंज के बीडीओ सह सीओ को गुरुवार को एक ही नंबर से लगातार 10 बार कॉल



आया। फोन पर मौजूद शख्स ने खद को एसडीएम बताया और पैसे की मांग की। बीडीओ सह सीओ सनील कमार सिंह ने तत्काल इसकी सूचना थाना प्रभारी को दी एवं कार्रवाई करने को कहा। बीडीओ सह सीओ ने बताया कि मोबाइल नंबर 9955856779 से सुबह 8 बजे से 10 के बीच में लगभग 10 बार कॉल आया और कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपने

आप को एसडीएम बताया और कहा कि तुम बीडीओ नीलांबर पितांबरपुर बोल रहे हो न, मैं एसडीएम बोल रहा हुं, मैं खाता नंबर भेज रहा हूं, उसमें पैसे डालो। लेस्लीगंज थाना प्रभारी राजू कुमार गप्ता ने प्रारंभिक जांच पडताल शुरू करते हुए कहा कि फोन महाराष्ट्र से आया था। पूरे मामले की जांच तेज की गयी है। जल्द ही परा मामला स्पष्ट कर दिया जाएगा।

दो सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

GIRIDIH: जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र में गुरुवार को दो अलग- अलग सडक हादसों में दो यवकों की मौत हो गई। पहली घटना निमियाघाट थाना के ईसरी बाजार में कलाली रोड के समीप की है। बताया गया कि टीएमटी छड़ लोडेड ट्रेलर ने एक मारुति ओमनी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मारुति सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान ईसरी बाजार के रहने वाले चीक पंडित (30) के रूप में की गई है। वहीं दूसरी घटना डुमरी के असुरबांध के समीप हुई। जहां एक अज्ञात गाड़ी के टक्कर से बाइक चालक पीयुष महतो (19) की मौत हो गई।मृतक नावाडीह के कुरपनिया गांव का रहने वाला था । पलिस ने दोनों मृतकों के शवों को सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस दोनों मामले में जांच पडताल कर रही है।

पुआल गांज में सो रहे अधेड़ की झुलसने से हो गई मौत

LOHARDAGA: कुडू थानाक्षेत्र में सोया पंचम उरांव आग की के जामुनटोला गांव में एक दिल लपटों में घिर गया तथा आग से दहलाने वाली घटना घटी। जब झुलसने के कारण उसकी मौत हो ठंड से बचाव को लेकर पुआल से गई। गरुवार को सबह ग्रामीण बने कुंबा में सो रहें अधेड़ की पुआल गांज में आग लगने के बाद झुलसने से मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में करते हुए पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है।

बताया जाता है कि कुडू अखराटोली निवासी पंचम उरांव ठंड से बचाव को लेकर जामुनटोला खलिहान में बने पुआल के कुंबा में सोया हुआ था। पुआल गांज के बगल में आग जलाया गया था। अचानक बुधवार देर रात कुंबा के बगल मे जलाएं गए आग की लपटें कुंबा तक पहुंच गई तथा कुंबा में आग लग गया,नींद में सोए पंचम को इसकी जानकारी नहीं लगी नतीजा कुंबा

खलिहान की तरफ पहुंचे तब जानकारी मिली कि पंचम की मौत आग में झुलसने से हो गई है। इसके बाद पुलिस को सुचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में करते हुए पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है कि किसी ने पुआल गांज मे आग लगाई थी या फिर पंचम ठंड से बचाव को लेकर कुंबा के बगल में आग तापने के लिए आग जलाया था। पुलिस की जांच में खुलासा होगा कि पंचम की मौत का जिम्मेदार कोई दुसरा है या पंचम की मौत आग की लपटों में घिरने से हुई है।

कोल्हान यूनिवर्सिटी ने जारी किया २०२५ का अवकाश कैलेंडर

86 दिन बंद रहेंगे विवि व कॉलेज, 20 दिनों की होगी गर्मी छुट्टी

PHOTON NEWS JSR:

कोल्हान विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 का अवकाश कैलेंडर जारी कर दिया है। पूरे साल में लगभग 86 दिनों की छुट्टी रहेगी। हालांकि इसमें से 12 त्योहार ऐसे दिन हैं, जो संडे को हैं। ऐसे में अगर रविवार को निकाल दें तो 74 दिन का अवकाश इस बार विवि में है। सबसे लंबी 20 दिनों की छुट्टी गर्मी की होगी, जब विवि और कॉलेज बंद रहेंगे। यह छुट्टी 1 से 20 जून तक होगी। इसके बाद 12 दिनों की छुट्टी शरद ऋतु की 18 से 29 अक्टूबर तक होगी, जिसमें दीपावली और छठ महापर्व का भी अवकाश शामिल है। 7 इिनों की छुट्टी क्रिसमस/सर्दी की 25 से 31 दिसंबर तक होगी। 6 दिनों के लिए कॉलेज और विवि दुगार्पुजा व गांधी जयंती को लेकर बंद रहेंगे। यह छुट्टी 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक होगी। इसी तरह



होली में तीन दिन 13-15 मार्च तक संस्थान बंद रहेंगे। वहीं दो-दो दिन सरहुल की 1-2 अप्रैल, मुहर्रम में 6-7 जुलाई और करमा पुजा की 3-4 सितंबर की छुट्टी होगी। विवि ने स्पष्ट कर दिया है कि 7 प्रतिबंधित अवकाशों में से केवल 5 ही मिलेंगे। वहीं मुस्लिम

त्योहारों के अवकाश की तिथि में चांद के दृष्टिगोचर होने के अनुसार बदलाव किए जा सकेंगे। केयू में इस बार जिउतिया, टूसू, हूल दिवस जैसे पर्व पर अवकाश नहीं रहेगा। जहां राज्य के दूसरे विवि में टूसू पर 16 जनवरी को अवकाश है, वहीं केयू में नहीं है।

इन मौकों पर एक दिन रहेगा अवकाश

गुरु गोविंद सिंह जयंती, मकर संक्रांति, सोहराय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, गणतंत्र दिवस, बसंतपंचमी, मागे परब, संत रविदास जयंती, शब-ए-बरात, महाशिवरात्री, रमजान का अंतिम शुक्रवार, ईद-उल-फितर, रामनवमी, महावीर जयंती, अंबेडकर जयंती, गुड फ्राइडे, ईस्टर मंडे, मजदूर दिवस, बुद्ध पूर्णिमा, रथ यात्रा, सावन का अंतिम सोमवार, रक्षाबंधन, विश्व आदिवासी दिवस, स्वतंत्रता दिवस, चेहल्लुम, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, मनसा पूजा, तीज, ईद-मिलाद-उन-नबी, शिक्षक दिवस, अनंत चतुर्दशी, विश्वकर्मा पूजा, महालया, कलश स्थापना, गुरुनानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा, बिरसा जयंती व झारखंड स्थापना दिवस।

एक साल बाद शुरू हुई शीतकालीन छुट्टी

कोल्हान विवि में एक बार फिर से शीतकालीन अवकाश रहेगा। पिछले वर्ष राजभवन ने इस अवकाश को समाप्त कर दिया था। इसी वजह से 25 दिसंबर को छोड़कर शेष अन्य दिन कक्षाएं संचालित हुईं। हालांकि इसका शिक्षक लगातार विरोध करते हुए अवकाश की मांग कर रहे थे। इसे देखते हुए राजभवन ने एक बार फिर से राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में 25 से 31 दिसंबर तक शीतकालीन अवकाश की अनुमति

चोरी करती महिला सहित तीन हिरासत में

KODERMA: कोडरमा बाजार

स्थित शिव पान दुकान के बाहर रखे तीन हजार रुपए के एक पेटी बिस्किट, एक पेटी साबुन और एक पेटी शैंपू की चोरी एक महिला के जरिये गत दो दिसंबर को अपने कुछ साथियों के साथ कर ली गई थी। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड भी हुआ था। उसके बाद अब करीब एक महीने के बाद दो जनवरी को उसी महिला के जरिये उसी दुकान के बाहर रखे सामानों की चोरी करने का प्रयास किया गया, जिसे दुकानदार एवं आसपास के लोगों की तत्परता से पकड़ लिया गया। दुकान के बाहर सामानों की चोरी करते पकड़े जाने पर महिला लोगों से माफी मांगते हुए पूर्व में दुकान से करीब तीन हजार के सामानों की चोरी करने के मामले का भरपाई करते हुए लोगों से छोड़ देने की गुहार लगाने लगी। इसी दौरान मामले की सूचना कोडरमा पुलिस को मिलने के बाद पुलिस के जरिये एक महिला और एक युवती एवं एक नबालिग युवक को हिरासत में लिया गया है।

को बचाने के क्रम में दोनों लोग गिरकर घायल हो गये। फल विक्रेता के घर लाखों की चोरी

RAMGARH : न्यू ईयर सेलिब्रेशन में आम नागरिक व्यस्त थे और रामगढ़ शहर में चोर उनके घरों को अपना निशाना बना रहे थे। शहर के



कोयरीटोला में एक फल विक्रेता के घर को भी चोरों ने खाली कर दिया। उसके घर से लाखों रुपए के जेवर और 48 हजार नगद रुपये चोरी कर लिए गए। इस मामले में घर के मालिक राजेश कुमार ने गुरुवार को रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उसने बताया कि उसकी पत्नी सुगंधा देवी 27 दिसंबर को अपने मायके बुंडू रांची गई हुई थी। एक जनवरी को नए साल का सेलिब्रेशन करने वह भी अपनी पत्नी के पास गया था।

गुरुवार की सुबह राजेश के पिता जब उसके घर में पहुंचे तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। राजेश ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। उसने बताया कि उसके घर से 48000 नगद और लगभग चार लाख रुपए की जेवर चोरी हुए हैं। इसके अलावा एलईडी टीवी और कीमती बर्तन भी चोरों ने उड़ा लिया है। चोरी के जेवर में दो पीस सोने का हार, कान का झुमका, निथया, मांग टीका, मंगलसूत्र, सोने का लॉकेट, सोने की अंगुठी, चांदी का पायल तीन जोड़ा शामिल है।















Friday, 03 January 2025

O BRIEF NEWS

सीएम से डीजी, एडीजी सहित अन्य अधिकारियों ने की मुलाकात

RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में डीजी होमगार्ड अनिल पालटा, एडीजी जैप प्रिया दुबे, जैप-2 कमांडेंट सरोजिनी लकड़ा, एसएसपी जमशेदपुर किशोर कौशल ने मुलाकात की। सभी अधिकारियों ने उन्हें नव वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री ने भी अपनी ओर से उन्हें नव वर्ष की बधाई एवं मंगलकामनाएं दी।

सीयूजे में सोशल मीडिया पर वर्कशॉप 17 से

RANCHI: झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयजे) में 10 दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन होगा। 17 से 28 जनवरी तक चलने वाली इस वर्कशॉप का विषय सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएशन है। सीयूजे और झारखंड पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लगेगा। रजिस्ट्रेशन गुगल फॉर्म से आठ जनवरी तक करा सकते हैं। यह वर्कशॉप परी तरह से आवासीय है। खाने और रहने की व्यवस्था की गयी है। साथ ही कुल 50 सीट निर्धारित हैं। वर्कशॉप के मुख्य संरक्षक कुलपति डॉ क्षिति भूषण दास हैं।

भाजपा नेताओं ने गुरविंदर सिंह सेटी को दी श्रद्धांजलि

RANCHI: भाजपा नेता-कार्यकताओं ने स्व. गुरविंदर सिंह सेठी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। गुरुवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में दिवंगत भाजपा नेता गुरविंदर सिंह सेठी का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। पार्टी का ध्वज एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय सहित बड़ी संख्या में नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे।

राज्यपाल से अनिल पालटा ने की मुलाकात

RANCHI: गुरुवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी और अग्निशमन सेवाएं अनिल पालटा ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को नव वर्ष की शभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी अनिल पालटा को नए साल की शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा राज्यपाल से उद्योग विभाग के सचिव जितेन्द्र कुमार और मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की सुमन पाठक ने राजभवन में भेंट की। राज्यपाल को छह जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। वहीं दुसरी ओर राज्यपाल से कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा राम महतो के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर शिष्टमंडल ने राज्यपाल को विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

डॉक्टरों के चैंबर में धड़ल्ले से घूम रहे मेडिकल रिप्रजेंटेटिव

राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में व्यवस्था दुरुस्त करने का प्रबंधन दावा कर रहा है। लेकिन, यह दावा हकीकत से कोसों दूर है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बैन के बावजूद मेडिकल रिप्रजेंटेटिव (एमआर) खुलेआम रिम्स में घूम रहें हैं। इतना ही नहीं ओपीड़ी से लेकर इनडोर तक बिना किसी रोक-टोक के डॉक्टरों से मिल रहे हैं। मरीजों के बीच बेधड़क ओपीडी में डॉक्टरों के चैंबर में घुस जा रहे हैं। इसके बावजूद न तो उन्हें सिक्योरिटी में तैनात होमगार्ड्स रोक रहे हैं और न ही डॉक्टर उन्हें मना कर रहे। इससे साफ है कि इनकी शह पर ही एमआर बेधडक रिम्स में घुम रहे हैं। रिम्स हॉस्पिटल में ओपीडी और वार्ड में भर्ती मरीजों के लिए अधिकांश दवाएं सरकारी खर्च पर उपलब्ध कराई जाती हैं। लेकिन, दवा कंपनियों के एमआर की एक्टिविटी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। एमआर सुबह से शाम तक रिम्स में सक्रिय रहते हैं और न केवल ओपीडी के डॉक्टर के केबिन में, बल्कि वार्ड में भर्ती मरीजों के बेड तक दवाओं का प्रचार कर रहे हैं। रिम्स प्रबंधन ने एमआर के प्रवेश पर रोक लगाई है, लेकिन इसका कोई खास असर देखने को नहीं

मिल रहा है। होमगार्ड के जवान तैनात रहते हैं जो मरीजों

रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं। ये एमआर अस्पताल के

विभिन्न हिस्सों में बेरोकटोक घुसकर डॉक्टरों से सेटिंग कर

और उनके परिजनों को रोकते हैं। लेकिन एमआर को

रहे हैं और उनकी दवाएं लिखने का दबाव बना रहे हैं।

व्यवस्था दुरुस्त करने का प्रबंधन की ओर से किया जा रहा दावा सही नहीं वार्ड में भर्ती रोगियों के बेड तक दवाओं का प्रचार करने पहुंच जाते एमआर

लिए आने वाले मरीजो की बढ रही है परेशानी

केवल शनिवार को 2 बजे के बाद विजिट करने का जारी हुआ था नोटिस



एमआर की मनमानी पर रोक लगाने के लिए रिम्स प्रबंधन ने नोटिस जारी किया था। साफ कहा गया था कि एमआर को केवल शनिवार को डॉक्टरों को विजिट कर सकेंगे। वह भी ओपीडी 2 बजे खत्म होने के बाद। लेकिन, इसका कोई असर रिम्स में दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं ये लोग सुबह से लेकर शाम तक रिम्स में डेरा डाले हुए हैं। इस वजह से मरीजों को डॉक्टर से कंसल्टेशन और रिपोर्ट दिखाने के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है।

सस्ती दवाओं के लिए प्रबंधन की पहल

रिम्स ने मरीजों को राहत देने के लिए पहल की है। प्रबंधन ने मरीजों को अब केवल तय दुकानों से ही दवाएं खरीदने को कहा है, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा यह भी नोटिस जारी किया गया है कि यदि मरीज बाहर से दवाएं खरीदते हैं और उन्हें नुकसान होता है, तो इसके लिए प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा। हॉस्पिटल कैंपस में दो दुकानें अमृत फामेर्सी और भारतीय जन औषधिं केंद्र चल रही है। यहां सस्ती दवाएं उपलब्ध हैं। जन औषधि केंद्र में 500 से अधिक दवाइयां उपलब्ध हैं। अमृत फामेर्सी में भी सैंकडों दवाएं और सर्जिकल आइटम सस्ते दामों पर मिल रहे हैं।



मरीजों की पर्ची भी देख रहे एमआर

Sig: 1 cap 3x aday for

एमआर ओपीडी में डॉक्टर से कंसल्टेशन करने के बाद निकले मरीजों को रोककर उनकी दवाइयो की पर्ची चेक करते हैं। यह जानने के लिए कि क्या डॉक्टर ने उनकी कंपनी की दवाइयां लिखी हैं। अगर दवाएं नहीं लिखी जातीं है, तो वे फिर से संपर्क करते हैं। वहीं डॉक्टरों से अपनी कंपनी की दवा लिखने को कहते हैं। इसके अलावा वार्ड में भर्ती मरीजों को भी दवाइयां पहुंचाई जाती हैं, ताकि उनका प्रचार किया जा सके। सिक्योरिटी में तैनात होमगाडर्स को भी ये लोग चढ़ावा चढ़ाते हैं, ताकि कैंपस बेरोकटोक आना-जाना कर सकें।

आरओ वाटर प्लांट के संचालन के लिए जारी की गई नई नियमावली

राजधानी में बिना लाइसेंस नहीं कर सकेंगे पानी का कारोबार

झारखंड सरकार के नगर विकास आवास विभाग नगरपालिका क्षेत्र में आरओ वाटर प्लांट के संचालन के लिए नई नियमावली जारी कर दी है। इसके तहत बिना लाइसेंस के आरओ प्लांट से पानी का कारोबार नहीं कर सकेंगे। इतना ही नहीं, इसके लिए कैटेगरी भी निर्धारित की गई है। वहीं लाइसेंस के अलावा संचालकों से हर साल रांची नगर निगम 20 हजार रुपये भी वसुलेगा। इसके बाद ही आरओ वाटर प्लांट का संचालन किया जा सकेगा। बता दें कि संचालकों को तीन महीने के अंदर लाइसेंस लेने का नोटिस जारी कर दिया गया है। नियमावली के तहत आरओ वाटर प्लांट संचालकों को अब लाइसेंस लेने और रीन्युअल के लिए निर्धारित दस्तावेजों के साथ आवेदन करना होगा। इसमें आधार कार्ड, कंपनी

लाइसेंस के लिए करना होगा आवेदन, सालाना देने होंगे 20 हजार रुपये तीन महीने के अंदर लाइसेंस लेने का निगम ने जारी कर दिया है नोटिस



या फर्म का निगमन या पंजीकरण प्रमाण पत्र, अपडेट बिजली बिल, होल्डिंग टैक्स रसीद, केन्द्रीय भूगर्भ जल प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्कर का विवरण फोटो सहित जरूरी होगा। इसके

जमीन खाली है तो एफिडेविट देना होगा। संरचना बनने के बाद शहरी क्षेत्र में ग्राउंड वाटर की निकासी के लिए चार क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत

अनुमति दी जाएगी। वहीं सेमी क्रिटिकल जोन में 31 मार्च 2026 तक के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। क्रिचिकल जोन में लाइसेंस 31 मार्च 2025 तक के लिए दिया जाएगा। इसके अलावा ओवर एक्सप्लाएटेड जोन में लाइसेंस नहीं दिया जाएगा।

२ अप्रैल तक करना है आवेदन

लाइसेंस फी और एनुअल फी को लेकर नियमावली में स्पष्ट प्रावधान हैं। लाइसेंस के लिए संचालक को ?5,000 देना होगा। वहीं पानी का कारोबार करने के लिए आरओ संचालक को सालाना २० हजार रुपये निगम को देने होंगे। नियमावली के लागू होने के बाद रांची नगर निगम क्षेत्र में आरओ वाटर प्लांट संचालकों को तीन महीने के अंदर 2 अप्रैल 2025 तक दस्तावेजों के साथ आवेदन करना और शुल्क जमा करना अनिवार्य होगाँ। इसके बाद बिना लाइसेंस संचालन करने वालों पर फाइन लगाया जाएगा। फाइन नहीं देने और लाइसेंस नहीं लेने की स्थिति में प्लांट को सील कर

2024 में दुष्कर्म की प्रमुख घटनाएं

अनेक जिलों से सामने आए चौंकाने वाले मामले

झारखंड में जनवरी से अक्टूबर 2024 तक 1326 महिलाओं की अस्मत लट ली गई। राज्य के अलग-अलग जिलों में कई चौंका देने वाले मामले भी सामने आए हैं।18 दिसंबर 2024 को गुजरात के भरूच में हैवानियत की सारी हदें पार कर दी गईं। यहां झारखंड के पलामू जिले की रहने वाली 09 साल की नाबालिंग के साथ विजय कुमार



नामक युवक ने गंदा काम किया। इसमें नाबालिग की मौत हो गई। एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

४ साल की बच्ची से रेप

23 दिसंबर 2024 को झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर में एक 4 साल की बच्ची के साथ गंदी घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बच्ची से दुष्कर्म करने वाला उसी के गांव का है।

सीएम हेमंत सोरेन से मिले गौ सेवा

स्पेन की महिला से दुष्कर्म

02 मार्च 2024 को दुमका में हुई एक घटना ने पूरे देश में झारखंड को शर्मसार कर दिया। यहां एक स्पेन की एक महिला से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। महिला अपने पति के साथ बाइक से विश्व भ्रमण पर निकली थी।

गढ़वा में चलती कार में छात्रा से दुष्कर्म

26 अक्टूबर 2024 को गढ़वा के रंका थाना क्षेत्र में एक इंटर की छात्रा के साथ दुष्कर्म हुआ। यहां आरोपियों ने चलती कार में घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में मख्य आरोपी और कार चालक को अरेस्ट कर सलाखों के पीछे भेज दिया। अगस्त २०२४ में जमशेदपुर में एक नर्सरी की छात्रा से एक साथ स्कूल वैन के चालक ने गंदा काम किया। मासूम की मां ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। घटना शहर के मानगो इलाके में हुई थी।

कांग्रेस मुख्यालय में डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में हुई सर्वधर्म प्रार्थना समा के लिए मिला समय

PHOTON NEWS RANCHI:

गुरुवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस मुख्यालय, रांची में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह की स्मित में सर्वधर्म प्रार्थना सभा की। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन और कार्य भारतीय राजनीति के साथ अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ने वाला है। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी। सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार जैसे ऐतिहासिक कानून बनाए और असैन्य परमाणु समझौता सहित कई महत्वपर्ण कार्य किए। कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने कहा कि उनके नेतृत्व में देश ने वैश्विक संकटों से उबरते हुए निरंतर आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति और वैश्विक पहचान हासिल की। उनके नेतृत्व में



्रप्रार्थना सभा में शामिल कांग्रेस नेता व अन्य।

भारत ने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट को भी पार किया और जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए। वहीं वित्त मंत्री राधाकष्ण किशोर ने डॉ. सिंह की समावेशी विकास नीति की सराहना की और कहा कि नेतृत्व में भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति व आर्थिक स्थिति में मजबती आई। उन्होंने भारतीय नागरिकों की भलाई पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने सामाजिक और संरचनात्मक सुधारों

में अमुलचुल बदलाव किए, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण क्षेत्र सशक्त हुआ। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप बलमुचू ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व प्रदेश अध्यक्षं डॉ. प्रदीप कु. बलमुचू, विधायक सोना राम सिंकू, निशात आलम, सुरेश बैठा, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख मौजूद थे।

हेमंत के जवाब पर ईडी को अपना प्रतिउत्तर देने

RANCHI: हाईकोर्ट में गुरुवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जरिये दायर शिकायत पर ईडी के अधिकारियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में दर्ज एफआईआर को सीबीआई सहित अन्य स्वतंत्र एजेंसी को देने का आग्रह करने वाले ईडी की याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में हेमंत सोरेन के जवाब (प्रति शपथ पत्र) पर ईडी के वरिष्ठ अधिकारी देवव्रत झा को अपना प्रतिउत्तर देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। अगली सनवाई 3 सप्ताह बाद होगी। ईडी की ओर से अधिवक्ता एके दास और सौरभ कुमार ने पैरवी की। देवव्रत झा की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर आग्रह किया गया है कि इस मामले में गोंदा पुलिस के जरिये ईडी के अधिकारियों को प्रताड़ित करने की कोशिश की जा रही है इसलिए इस मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई सहित अन्य

स्वतंत्र एजेंसी को सौंपा जाए।

आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद

PHOTON NEWS RANCHI: गरुवार को गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर मलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी और राज्य गौ सेवा आयोग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं और निबंधित गौशालाओं की आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोग के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को ये भी बताया कि राज्य में गोबर प्रसंस्करण कार्यक्रम के तहत साढ़े पांच हजार महिलाओं को रोजगार के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किया गया है। इन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोबर प्रसंस्करण का प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही बताया कि इस कार्यक्रम की शुरूआत रांची जिले के बीस प्रखंडों से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी। जहां



सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात करते राजीव रंजन प्रसाद।

सौ महिलाओं को गोबर प्रसंस्करण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष मुख्यमंत्री को आयोग के प्रस्तावित कार्यक्रम पारिस्थितिकी संतुलन एवं आधुनिकता के परिप्रेक्ष्य में गो सेवा के क्षेत्र में उभरती चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में भी जानकारी दी। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इसके लिए उन्होंने मख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मलाकात के दौरान राज्य में गौ सेवा आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि इस संबंध में शीघ्र ही

सर्दी का सितम टंडी हवाओं ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

झारखंड में अभी कंपाने वाली टंड से नहीं मिलेगी राहत

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड में ठंड का कहर जारी है। हाड़ कंपाने वाली ढंड से लोग परेशान हैं। आखिर हो भी क्यों न, तापमान में अचान से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में कंपाने वाली ठंड से फिलहाल राहत नहीं मिलने वाली है। पिछले 24 घंटे में राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 5.2 डिग्री दर्ज हुआ है। ठंड के कारण लोग सुबह और शाम को ठिंदूर रहे हैं। शुक्रवार ३ जनवरी को झारखंड में हल्के दर्जे का कोहरा सुबह के समय छाया रहेगा। इसके बाद आसमान साफ हो जाएगा और मौसम में सुधार होगा। हालांकि राज्य के लिए मौसम विभाग ने कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की है।

सबसे कम न्युनतम तापमान गुमला में ५.२ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया रांची का न्युनतम तापमान ६.६ डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा



सरायकेला में अधिकतम तापमान २६.१ डिग्री

24 घंटे में सरायकेला में अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार झारखंड के 15 जिलों का तापमान 10 डिग्री से नीचे गिर गया है। वहीं ठंडी हवाओं के कारण सर्दी का असर बढ़ गया है। राजधानी रांची में 3 जनवरी को सुबह हल्के दर्जे का कोहरा या धुंध छाया रहेगा, जो बाद में साफ हो जाएगा।

तीन दिन बाद कुछ बढ़ेगा तापमान

मौसम केंद्र रांची ने मौसम के बारे में पूर्वार्नुमान जारी किया है। इसके अनुसार अगले 2 दिनों में राज्य के न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। लेकिन, उसके बाद अगले 3 दिनों में तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। साथ ही बताया कि पिछले ३ दिनों में झारखंड में तापमान में एक बड़ी गिरावट आई है। रांची का न्यनतम तापमान ३१ दिसंबर को ४.९ डिग्री, १ जनवरी को १.४ डिग्री और 2 जनवरी को 2 डिग्री गिरावट दर्ज की गई।

हाईकोर्ट से राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को मिली बडी राहत, कांके थाना में दर्ज एफआईआर निरस्त

हाईकोर्ट से भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को गुरुवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ रांची एमपी-एमएलए कोर्ट की कार्रवाई को खत्म कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने सांसद दीपक प्रकाश के खिलाफ कांके थाना में दर्ज एफआईआर को निरस्त कर दिया है। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। कांके के सुकुरहुरटू इलाके में किसान आंदोलन से जुड़े मामले को लेकर दीपक प्रकाश और पूर्व विधायक समरी लाल सहित अन्य लोगों के

खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी



थी। उक्त लोगों के खिलाफ कांके थाना में कांड संख्या 141/2021 दर्ज की गयी थी। यह मामला जून 2021 का है। प्राथमिकी में आरोप है कि दीपक प्रकाश, समरी लाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने राज्य सरकार के विरुद्ध धरना प्रदर्शन कर कई मांग की थी,

माफ हो, फसल की उचित कीमत मिले, बीज की उपलब्धता को राज्य सरकार उपलब्ध कराए आदि बातों का उल्लेख किया था। हाई कोर्ट से प्राथमिकी निरस्त होने के बाद दीपक प्रकाश इस मामले से बरी हो गये हैं।

लोकायुक्त, सूचना आयुक्त की नियुक्ति मामले में सुनवाई पांच फरवरी को

RANCHI: झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षतावाली खंडपीठ में गुरुवार को सूचना आयुक्त, लोकायुक्त, महिला आयोग अध्यक्ष एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने उपस्थित होकर अदालत को जानकारी दी कि शीघ्र ही सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति कर दी जाएगी। नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ है। बीच में चुनाव घोषित हो गया था इसीलिए नियुक्ति प्रक्रिया प्रभावित हुई है। अब सब कुछ ठीक हो गया है।

समाचार सार

जयंती पर याद किए गए कवि बंकिम चंद्र महतो

GHATSILA: राज्य के प्रख्यात कवि व लेखक बंकिम चंद्र महतो की जयंती गुरुवार को मनाई गई। इस अवसर पर बंकिम साहित्य संरक्षण



समिति, घाटशिला द्वारा आयोजित . समारोह की अध्यक्षता घाटशिला कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर बादल चंद्र

भकत ने कहा कि बंकिम बाबू ने बताया कि वे रांची विश्वविद्यालय के बांग्ला विभागाध्यक्ष भी रहे। चाकुलिया प्रखंड के पाथरचकड़ी गांव में 2 जनवरी 1938 को जन्मे बंकिम बाबू ने घाटशिला क्षेत्र को अपनी कर्मभूमि बनाई। इस अवसर पर लेखक निसार आमीन ने शिलालेख नामक उनकी किताब का विमोचन किया। कार्यक्रम में सपन कमार महतो, ओम प्रकाश सिंह, रवींद्रनाथ कर, जयदेव महतो, मौसमी सरकार, निवेदिता महतो, सुवेंदु महतो आदि ने भी अपने विचार रखे।

लक्ष्मण गिलुआ क्रिकेट क्लब विजेता

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रही 9वीं अशोक कुमार जैन जिला नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता में



लक्ष्मण गिलुआ क्रिकेट क्लब विजेता बना। उसने

को प्री-क्वार्टर फाइनल में इसका मुकाबला लारसन क्लब चाईबासा से होगा। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए आज के मैच में टॉस लक्ष्मण गिलुआ क्रिकेट क्लब ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया।

जेम्को गुरुद्वारा से निकली प्रभातफेरी

JAMSHEDPUR : श्री गुरु गोविंद सिंह साहब का प्रकाश उत्सव 6



जनवरी को मनाया जाएगा। इसी उपलक्ष्य में गुरुवार को जेम्को गुरुद्वारा से प्रभातफेरी निकली, जो कॉलोनी पहुंची। वहां शबद-कीर्तन हुआ। प्रभातफेरी में संगत सोई-सोई देवे जो मांगे

ठाकुर अपने... से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। प्रभातफेरी में गुरुद्वारा साहिब के सेक्रेटरी सरदूल सिंह, मनजीत सिंह, करनदीप सिंह, जसबीर सिंह, बलविंदर सिंह, गुरमुख सिंह, हरजीत सिंह आदि शामिल थे।

मकर संक्रांति पर होगा स्वर्णरेखा नदी का पूजन



बिष्टुपुर स्थित कार्यालय में हुई। इसमें स्वर्णरेखा महोत्सव को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। तय हुआ कि जनवरी को नदी पूजन कर

स्वर्णरेखा महोत्सव मनाया जाएगा। सोनारी स्थित दोमुहानी नदी घाट पर प्रातः 10.30 बजे और सीतारामडेरा के पांडेय घाट पर दोपहर 11.30 बजे पूजन किया जाएगा। इसी दिन शाम को बिष्टुपुर स्थित मिलानी हॉल में गोष्ठी होगी, जिसमें विधायक सरय राय के साथ कई पर्यावरणविद और पर्यावरण प्रेमी शामिल होंगे। बैठक में टस्टी अशोक गोयल व आशतोष राय, मुकुल मिश्रा, सुबोध श्रीवास्तव, राघवेंद्र प्रताप सिंह आदि मौजूद थे।

चाईबासा से 100 किसान दिल्ली रवाना

CHAKRADHARPUR: पश्चिमी सिंहभूम जिले के उद्यान विभाग की ओर से एक्सपोजर विजिट सह ट्रेनिंग के लिए 100 किसान गुरुवार को दिल्ली रवाना हुए। उद्यान मित्र सह टीम लीडर रीता सुरीन के नेतृत्व में किसानों की टीम दिल्ली, हरियाणा और शिमला में कृषि से

संबंधित प्रशिक्षण लेंगे। वहां के किसानों से अनुभव प्राप्त करेंगे। दिल्ली जाने वाले किसानों में विनोद दिगी, आरती देवी, संजू महतो, पदमो देवी, प्रतिभा देवी, जलमुनि देवी, सुकंती महतो, दुर्योधन महतो, सुचिता देवी आदि भी शामिल हैं।

पीरु, मिथुन व समरेश बने विधायक प्रतिनिधि

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुखराम उरांव ने चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र के लिए समरेश उर्फ गुड़ू



सिंह, चक्रधरपर प्रखंड के लिए पीरु हेंब्रम तथा बंदगांव प्रखंड के लिए मिथुन गागराई को विधायक

विधायक प्रतिनिधि बनाए **पीरु हेंब्रम मिथुन गागराई समरेश सिंह** जाने पर तीनों को झामुमो नेता रामलाल मुंडा, दिनेश जेना, प्रदीप महतो, मुखिया श्याम मुंडा तथा मोहम्मद रमीज ने बधाई दी। विधायक ने पीरु हेंब्रम को चक्रधरपुर का विधानसभा स्तरीय प्रतिनिधि भी बनाया है। विधायक की अनपस्थिति में

से समन्वय स्थापित करेंगे। कुशवाहा समाज 19 को कराएगा सामूहिक विवाह

पीरु ही जिला स्तरीय बैठकों तथा जनहित से जुड़े मामलों में अधिकारियों

JAMSHEDPUR: कुशवाहा संघ, जमशेदपुर की ओर से 19 जनवरी को एग्रिको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही संघ का वनभोज व पारिवारिक मिलन समारोह भी होगा। संघ ने इसकी घोषणा गुरुवार को कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष शिव कुमार भकत ने की, जिसमें सचिव रामकुमार सिंह सिहत सभी सदस्य उपस्थित थे।

11 से शुरू होगा प्रखंड स्तरीय दिव्यांगता शिविर

JAMSHEDPUR: उपायुक्त के निदेशानुसार पूर्वी सिंहभूम जिले में 11 जनवरी से प्रखंड स्तरीय दिव्यांगता शिविर शुरू होगा, जो 27 फरवरी तक चलेगा। इसे लेकर सिविल सर्जन को विशेषज्ञ चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि सभी शिविर में अस्थि रोग, ईएनटी, मनोरोग, नेत्र रोग, ऑडियोलॉजिस्ट, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आदि प्रतिनियुक्त किए जाएंगे।

चौकादार भर्ती के लिए 7-9 तक शारीरिक परीक्षा

JAMSHEDPUR: चौकीदार सीधी भर्ती लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का औपबंधिक परीक्षाफल एवं अंतिम उत्तर कुंजी जिला की वेबसाइट www.jamshedpur.nic.in पर प्रकाशित कर दिया गया है। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक माप एवं जांच के लिए पुलिस लाइन गोलमुरी में प्रातः 7 बजे से निम्नवत तिथि निर्धारित है। 7 जनवरी को परीक्षाफल सूची पृष्ठ संख्या 1 से 2 तक में अंकित रोल नंबर, 8 जनवरी को पृष्ठ सं. 3 से 4 तक और 9 जनवरी को पृष्ठ संख्या 5 से 6 तक में अंकित रोल नंबर वाले अभ्यर्थी

सोनारी में युवक की गोली मारकर हत्या

सोनारी स्थित बाल विहार धोबी बस्ती निवासी सूरज प्रमाणिक की हत्या

मनोज जायसवाल उर्फ मनोज पगली और कल्लु के साथ गंभीर विवाद

हुआ था। इस विवाद में मनोज और कल्लू ने सूरज की आंख फोड़ दी

थी। इसके बाद सूरज ने किसी तरह अपना इलाज कराया और हाल ही

अनुसार, सूरज की हत्या पुरानी रंजिश का नतीजा है। आंख फोड़ने की

जिससे उनका आपसी विवाद और बढ़ गया। परिजनों ने सूरज की हत्य

सोनारी पहुंचा। सूरज पिछले कुछ महीनों से परसुडीह में ही रह रहा था

एमजीएम अस्पताल पहुंचे और परिवार से बातचीत की। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है और जल्द ही यह साफ हो जाएगा कि हत्या के

का आरोप सीधे मनोज पगली और कल्लू पर लगाया है। गुरुवार की सुबह 9 बजे सूरज अपने परसुडीह स्थित आवास से निकला और

मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी कुमार शिवाशीष खुद

में वह अपने पिता द्वारा दिया गया ऑटो चला रहा था। परिवार के

घटना के बाद सूरज ने मर्नोज और कल्लू के साथ मारपीट की थी,

ऑटो खड़ा कर मैदान में बैठा था, तभी अपराधियों ने कर दी फायरिंग

PHOTON NEWS JSR:

सोनारी में गुरुवार को दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि यह घटना कारमेल जुनियर कॉलेज के पीछे स्थित मैदान में हई। वह ऑटो खडा करके मैदान में बैठा ही था कि उसी दौरान कुछ अपराधियों ने वहां पहुंचकर फायरिंग शुरू कर दी। मतक की पहचान सरज प्रमाणिक के रूप में हुई है। फायरिंग होते देख सूरज ने भागने की कोशिश की थी, लेकिन अपराधियों ने उसे दौड़ाकर गोली

गोली लगने से सूरज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। जहां यह घटना हुई, वहां कारमेल स्कूल, दयानंद स्कूल, मिथिला स्कल और बाल विहार मुक-बधिर स्कूल भी है। इस घटना ने स्थानीय लोगों के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन में भी डर और असरक्षा का माहौल पैदा

सूरज प्रमाणिक का पहले से था विवाद

पीछे कौन से विवाद जिम्मेदार थे।



सूरज प्रमाणिक की फाइल फोटो

पुरानी दुश्मनी बनी मौत की वजह: लोगों ने कहा कि सूरज प्रमाणिक करीब 10 साल पहले सोनारी से परसुडीह चला गया था। इसके पीछे सोनारी में चल रहा गैंगवार था। हाल ही में उसने सोनारी आना-जाना शुरू किया था। आशंका है कि उसकी हत्या पुरानी दुश्मनी के चलते ही की

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र में पिकअप वैन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मंझारी थाना अंतर्गत कटभारी पेदरगढ़िया निवासी 35 दीपक हेंब्रम गुरुवार को बाइक से खज़ुरिया स्थित अपने दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस वाहन की तलाश कर रही है।

ससुराल आया था। ससुराल के पास सड़क के किनारे बाइक खड़ी कर मोबॉइल देख रहा था। उँसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार लाया गया, जांच चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को

पिकअप वैन की चपेट में आकर युवक की मौत

बाइक से गिरकर दो युवक घायल

क्षेत्र के खड़ियाकॉलोनी गांव के समीप एनएच-18 पर गुरुवार की शाम बैल को बचाने के क्रम में बाइक से गिरकर दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक को हाईवे पैट्रोल वाहन से अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया गया। चिकित्सक डॉ. आरएन टुडू ने बताया कि प्रवीण महतो के कान और मुंह पर गंभीर चोट लगी है।

GHATSILA : गालूडीह थाना दूसरे युवक गुरुपदो महतो की बायीं आंख और बायें पैर में गंभीर चोट लगी है। गुरुपदो महतो ने बताया कि वह अपने जीजा प्रवीण महतो के घर गुरमा गांव से अपने घर पायरागुड्डी जा रहा था। इसी क्रम में खड़िया कॉलोनी के पास तेजी से एक बैल सड़क पर आ गया। उसे बचाने के दौरान दोनों सड़क पर गिर गए। घटना की जानकारी

हर दिन की दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सडक जाम



चाईबासा के तांबो चौक पर सड़क जाम करते लोग

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम में नो एंट्री सुबह 6 बजे से रात 9 जिला मुख्यालय चाईबासा में आए बजे तक लागू थी। इसे हाल में निवर्तमान चाईबासा सदर एसडीओ दिन हो रही दुर्घटनाओं से परेशान होकर हो महासभा के बैनर तले ने बदलाव कर दिया। उनके द्वारा ग्रामीणों ने गुरुवार को चाईबासा के नो एंट्री में छूट 11 बजे से 1 बजे तांबो चौक पर सड़क जाम कर और फिर 3 बजे से 5 बजे तक दी दिया। उनकी मांग थी कि नो एंट्री में गई है। इस बदलाव के साथ ही भारी वाहनों को छूट नहीं दी जाए। दुर्घटनाएं भी शुरू हो गईं। उनका इससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कहना है कि यह सड़क मुख्य मार्ग कतारें लग गईं। जाम की सूचना है। जिस पर उपायुक्त कार्यालय, मिलते ही एसडीओ सदर, समाहरणालय, टाटा कॉलेज और एसडीपीओ और थाना की पुलिस कोल्हन विश्वविद्यालय हैं। इसके मौके पर पहुंची और आक्रोशित कारण इस मार्ग पर यात्रियों की ग्रामीणों को समझा-बुझाकर भारी भीड़ रहती है। नो एंट्री में छूट देने से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं।

सरकारी स्कूल के बच्चों को कराया जाएगा एक्सपोजर विजिट JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम

जिले के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत ११वीं कक्षा के बच्चों को शहर की विजिट कराया जाएगा। इसे लेकर समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में चिद्धित कंपनियों व संस्थाओं के प्रतिनिधि के साथ बैठक हुई। उपायुक्त ने बताया कि जिले में कुल 135 हाई स्कूल में से पहले फेज में 15 स्कूलों को चिह्नित किया गया है। इन 15 स्कूल में से सिर्फ 11वीं कक्षा के 30-30 बच्चों का विभिन्न कंपनियों एवं संस्थाओं का शैक्षणिक भ्रमण ८ जनवरी से शुरू होगा। बैठक में पहले फेज के लिए चिन्हित १५ स्कूलों के प्राचार्य भी उपस्थित थे। उन्होंने सभी प्राचार्य से 11वीं कक्षा के बच्चों के बीच आंतरिक प्रतियोगिता कराते हए ३० बच्चों के चनाव का निर्देश दिया। बच्चों के एक्सपोजर विजिट को लेकर इंडो डेनिश टूल रूम, आदित्यपुर, टाटा मोटर्स, ट्राइबल कल्चर सेंटर, टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क, जे .एन टाटा वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, जेआरडी टाटा स्पोटर्स कॉम्प्लेक्स

20 दिनों से कचरा डंपिंग यार्ड बना मानगो, बदबू से जीना हुआ मुहाल

PHOTON NEWS JSR:

मानगो में कचरे की समस्या दिन-ब-दिन भयावह रूप लेती जा रही है। स्थिति ऐसी हो गई है कि अब लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। बदब् से महामारी फैलने तक का खतरा सता रहा है।

पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह ने समस्या का समाधान नहीं होता देख अब मानगो को कचरामुक्त बनाने के लिए आमरण अनशन करने की चेतावनी दी है। विकास सिंह ने प्रेस को जारी बयान में कहा है कि आजादी के बाद पहली बार मानगो में लगभग 20 दिनों से ऐसी स्थिति बनी है। पूरा मानगो कचरा डंपिंग यार्ड जैसा दिख रहा है। सभी चौक-चौराहे सहित मोहल्ले गंदगी से बजबजा रहे हैं। कोई भी जनप्रतिनिधि इसकी सुध नहीं ले रहा है। जनप्रतिनिधि



मानगो में मेन रोड के किनारे जमा कचरा

अपनी नेतागिरी जीवित रखने के लिए सोशल मीडिया और समाचार में बने रहने के लिए केवल पत्राचार कर रहे हैं और बड़े अधिकारी से मिलने की बात कह रहे हैं, लेकिन परिणाम शून्य है। विकास सिंह ने कहा कि जहां जनप्रतिनिधियों का आवास है, वहां फ्लावर शो लग रहा है और

जहां मतदाता रहते है वहां कचरे का ढेर लगा है। विकास सिंह ने कहा कि लोग ज्ञापन देकर थक चुके हैं। यही स्थिति रही तो वे 7 जनवरी को उपायुक्त कार्यालय के सामने आमरण अनशन शुरू करेंगे। यह अनशन तब तक चलेगा, जब तक कचरा का उठाव

अनुमंडल अस्पताल में मॉर्चुरी व शेड का होगा निर्माण : विधायक



लोगों से मिलते विधायक जगत माझी

CHAKRADHARPUR: मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने घोषणा की है कि चक्रधरपुर स्थित अनमंडल अस्पताल में मॉर्चरी और शेड का निर्माण कराएंगे। दरअसल, गुरुवार को विधायक अनमंडल अस्पताल पहुंचे थे। यहां गोइलकेरा प्रखंड के रेला गांव निवासी शैलेंद्र अंगरिया का शव लेकर परिजन पोस्टमार्टम के लिए पहुंचे थे। परिजनों से मिलकर विधायक ने आर्थिक मदद

और शैलेंद्र के आकस्मिक निधन पर शोक जताया। इस दौरान पोस्टमार्टम हाउस के कर्मी कष्णा मुखी ने विधायक के समक्ष शव रखने के लिए मॉर्चरी और परिजनों के लिए ठहरने की व्यवस्था नहीं होने की जानकारी दी थी।

इस पर विधायक ने संज्ञान लेते हुए कहा अस्पताल प्रबंधन जगह मुहैया कराता है, तो जल्द ही यहां मॉर्चुरी और शेड का निर्माण

ग्रामीणों की समस्या

SONUA: पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के

तहत गरुवार को विधायक जगत माझी

ने सोनुआ में ग्रामीणों की समस्या सुनी। प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित विधायक कक्ष में हुए जनता मिलन कार्यक्रम में उत्क्रमित उच्च विद्यालय राखासाई में नए भवन के निर्माण, बाईजोरो स्कूल में शौचालय निर्माण, तैयरा तालाब से एलपी स्कूल तक लगभग एक किमी तक नहर होने के बावजूद सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने, भालुरूंगी के रेंगालबेड़ा गांव में खेल मैदान निर्माण आदि समस्याएं लेकर ग्रामीण पहुंचे थे। कुछ समस्याओं को लेकर विधायक ने मौके से ही संबंधित अधिकारी को फोन पर समाधान का निर्देश दिया। इस दौरान गुदड़ी के बीडीओ को छात्रों के बीच नेबित साइकिल वितरण करने का निर्देश दिया। वहीं जिप सदस्य जगदीश नायक ने भी कुछ मुद्दों पर विधायक का ध्यान आकृष्ट किया।

अधिवक्ताओं ने प्रधान व सत्र न्यायाधीश को दी नववर्ष की बधाई



CHAIBASA : झारखंड स्टेट काउंसिल के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल कुमार महतो के नेतृत्व में गुरुवार को अधिवक्ताओं ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो. शाकिर को नववर्ष की शुभकामना दी। प्रधान न्यायाधीश ने भी अधिवक्ताओं को नववर्ष की बधाई दी। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के महासचिव फादर अगस्तीन कुल्लू, वरिष्ठ अधिवक्ता अंकुर चौधरी, रमेश चौबे, सरकारी वकील पवन शर्मा आदि मौजूद थे।

शहीद पोटो हो के नाम से जाना जाएगा गदड़ा चौक JAMSHEDPUR : गोविंदपुर स्थित गदडा चौक का नाम वीर

शहीद पोटो हो के नाम पर रखा गया है। नामकरण हातु मुंडा सुकलाल हेंब्रम की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। दिउरी चैतन पुरती ने शिलापट का हो समुदाय की परंपरा के अनुसार किया गया, जिसमें शिलापट पर देसाउली, नगे एरा व बिंदी ऐरा की पूजा-अर्चना (बोंगा) की गई। विदित हो कि पोटो हो या पोटो सरदार स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने 1837 में हो आदिवासियों के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध विद्रोह किया था। वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ वर्तमान पश्चिमी सिंहभूम जिले की सेरेंगसिया घाटी युद्ध के नायक थे। राजाबासा में जन्मे पोटो हो के नेतृत्व में 8 नवंबर,1837 में अंग्रेजी फौज को अपने साथियों के सहयोग से



हराया। 8 दिसंबर 1837 को पोटो हो, देवी हो, बोड़ो हो, बुड़ई हो, नारा हो, पंडुवा हो, भुगनी हो समेत अन्य पकड़ लिए गए थे। 1जनवरी 1838 को पोटो हो. बुड़ई हो तथा नारा हो को जगन्नाथपुर में बरगद के पेड़ पर फांसी दी गई थी। अगले दिन 2 जनवरी, 1838 को बोड़ो हो तथा पंडवा हो को सेरेंगसिया घाटी में फांसी दी गई। वहीं 79 हो वीर लड़ाकों को विभिन्न आरोपों में

गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा, जयकारे से गूंजा साकची, मथुरा-वृदावन से आए १०८ पुरोहित

धालभूम क्लब मैदान में आरंभ हुई भागवत कथा

PHOTON NEWS JSR:

पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन की ओर से साकची स्थित धालभूम मैदान में 2-9 जनवरी तक भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरूआत गुरुवार को भव्य शोभायात्रा से हुई, जो साकची स्थित महालक्ष्मी मंदिर से आयोजन स्थल तक गई। इस दौरान पूरा साकची क्षेत्र भगवान के जयकारे से गूंजता रहा।

महालक्ष्मी मंदिर में श्रीमद्भभागवत पुस्तिका का पूजन हुआ. फिर पुरुष यजमानों ने माथे पर पोथी धारण की, जबकि महिलाओं ने कलश उठाया. सभी यजमान जोड़े में शोभायात्रा में शामिल होकर धालभूम क्लब ग्राउंड पहुंचे। यात्रा के आगे पुरोहितों ने ध्वज ले रखे थे, वहीं कथावाचक बांकेबिहारी



धालभूम क्लब मैदान में पूजा करते पुरोहित

गोस्वामी रथ पर विराजमान थे। मथुरा व वृंदावन से पधारे 108 पुरोहितों ने भागवत का मूल पाठ आरंभ किया।

दोपहर 3 बजे से आरंभ हुई कथा में भागवत मर्मज्ञ आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी ने शुकदेव चरित्र और भागवत की महिमा बताई। उन्होंने कहा कि श्रीमद भागवत हर

मनुष्य के लिए अनुकरणीय और प्रासंगिक है। श्रीमद भागवत की कथा मनुष्य को ईश्वर के साथ जोड़ देती है। भगवान की भक्ति से मनुष्य अपने पापों से मुक्त हो जाता है। देवर्षि नारद द्वारा गंगाजी के तट श्रीमदभागवत कथा का आयोजन कराया जाना, कथा श्रवण से ज्ञान और वैराग्य का

यौवन लौटना इत्यादि प्रसंग सुनाए। पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मलेन द्वारा कथा स्थल पर बहुत ही अनुपम व्यवस्था की गयी है, चाहे व्यास पीठ की सजावट हो या पूजन वेदी या गौ पूजन हेतु निर्मित गौशाला. सभी व्यवस्था

बहुत ही सुचारु रूप से संचालित

ये रहे उपस्थित

आज की कथा में संतोष खेतान, बालमुकुंद गोयल, महाबीर प्रसाद अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, विजय मित्तल, अशोक चौधरी, शंकर गुप्ता, दीपक भालोटिया, जीवन नरेड़ी, संजय पलसानिया, संतोष अग्रवाल, ओमप्रकाश रिंगसिया, विजय आनंद मूनका, कमल किशोर अग्रवाल, सांवर लाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

वहीं आयोजन को सफल बनाने में अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, मंटू अग्रवाल, अजय भालोटिया, लिप्पू शर्मा, सुरेश कावंटिया, उमेश खीरवाल, सन्नी संघी, बजरंगलाल अग्रवाल, निर्मल पटवारी, अंजू चेतानी, कविता अग्रवाल, ऊषा चौधरी आदि सक्रिय रहीं।

झारखंड स्पोर्टिंग क्लब की टीम बनी विजेता

जेल भेज दिया गया।



CHAKRADHARPUR : चक्रधरपर प्रखंड के बाईपी पंचायत के हिजीया गांव में गोल्डन स्टार क्लब द्वारा दो दिवसीय प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को हुआ। फाइनल मुकाबला झारखंड स्पोर्टिंग क्लब हिजीया बनाम रापुट चापट इचाकुटी के बीच खेला गया। इसमें झारखंड स्पोर्टिंग क्लब की टीम विजेता बनी। कमेटी द्वारा विजेता टीम को 40 हजार तथा उपविजेता टीम को 20 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि झामुमो नेता सह गुरुजी आशीर्वाद योजना के अध्यक्ष सन्नी उरांव, विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम, मुखिया पिंकी जोंको तथा झामुमो नेता प्रदीप महतो उपस्थित थे।

मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह

जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर

जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं।

सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा

के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश

रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे

स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी

साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की

बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद

आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा

को ताजा कर देती है। संतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य

अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर

आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की

सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें

हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व

माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो

चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में

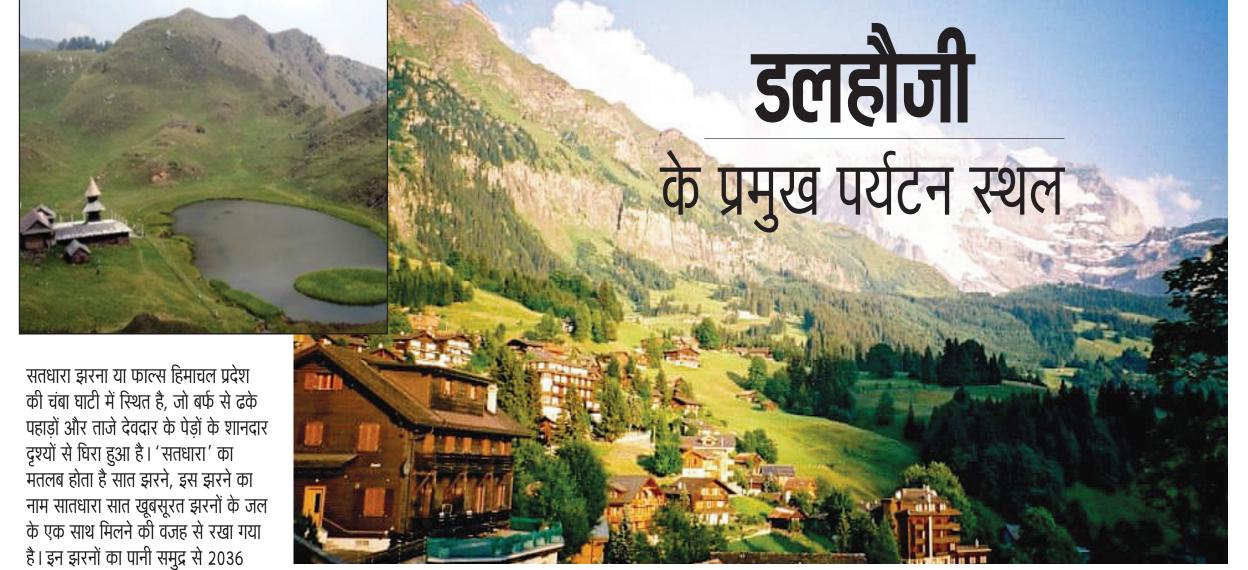
घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। संतधारा झरने से

सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में

ऐंसा लगता हैं कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घुमती है और धीरे–

संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह

स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।



भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंिक चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- 🔳 अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत शृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे किंदन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदू है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाडी

गंजी पहाड़ी पटानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाडी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, वयोंकि इस पहाडी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दुश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहिसक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाञ्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विट्जरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाञ्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहिसक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीनों में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें : हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पढानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पढानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से संतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: उलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लवजरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लवजरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

धीर पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है। क पड़ा आर हरा-भरा पहाड़िया साघरा हुआ ह। प्रित्रों की देह के आकार हाली है रेणुका झोल

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के

समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है। इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम– धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी टाट-बाट में पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें



हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया



ललित गर्ग खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वॉला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अगुसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली

ल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना हैं कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है। 'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते



हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवित्त के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएँ पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मफ्त यात्रा की सिवधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस

राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रकर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह

अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये? आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने

महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पाँच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियाँ बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वहीं माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी

संपादकीय

ट्रंप का हृदय परिवर्तन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस का प्रशासन 20 जनवरी को कार्यभार ग्रहण कर लेगा। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का यह दूसरा कार्यकाल है। इस बीच दुनिया के विभिन्न देशों के विशेषज्ञ इस बात का लेखा-जोखा ले रहे हैं कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उन पर क्या असर पड़ेगा। ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान उनकी आर्थिक संरक्षणवाद, अवैध आव्रजन पर रोक तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा जिम्मेदारियां को कम करने की उनकी नीतियों का विदेशी और घरेलू मोर्चे पर व्यापक विरोध हुआ था। इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने अपनी संरक्षणवादी नीतियों को आगे बढ़ाने और आव्रजन नीतियों को सख्त



करने का मुद्दा उठाया था। लेकिन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए प्रमुख उद्योगपति टेस्ला के मालिक एलन मस्क और भारतीय मूल के तकनीकीविद विवेक रामास्वामी के हस्तक्षेप और विरोध के बाद एच 1 बी वीजा के प्रति ट्रंप का रुदय परिवर्तित हो गया है। उन्होंने एच 1 बी वीजा को कायम रखने की बात कह कर सबको चौंका दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह एक साक्षात्कार

कहा कि मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहा है। ट्रंप के इस बदले रोख से उनके रूढ़िवादी आधार में विभाजन हो गया है और दो गुट उभर आए हैं। एक गुट एच 1 बी वीजा पर पूर्ण प्रतिबंध चाहता है तो दूसरा इसे अमेरिका की जरूरतों के लिए अनिवार्य मानता है। ऐसा समझा जा रहा है कि विशेषकर एलन मस्क के कारण ट्रंप के रुख में बदलाव आया है। यह भारत से अमेरिका गए लाखों विशेषज्ञ और पेशेवरों के लिए राहत की बात है। अमेरिकी कंपनियां प्रत्येक वर्ष करीब 65 हजार पेशेवरों की नियुक्तियां करती हैं जिनमें 70 फीसद भारतीय होते हैं। जाहिर है कि इस पर प्रतिबंध लगाने से सबसे अधिक प्रभावित भारतीय ही होते। अमेरिका के लिए एच 1 बी वीजा इसलिए जरूरी है कि वहां इतने पेशेवर, कुशल तकनीशियन, चिकित्सक नहीं हैं जिनसे अमेरिकी कंपनियां अपने कारोबार का संचालन कर सके। हकीकत यह है कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी की दुनिया में शीर्ष पर लाने में प्रवासियों की बहुत बड़ी भूमिका है। एलन मस्क इस सच्चाई को जानते हैं। इसलिए उन्होंने एच 1 बी वीजा पर प्रतिबंध लगाने की नीति का जमकर विरोध किया। अगर इसमें कुछ किमयां हैं तो इसे सुधारा जाना चाहिए। बहरहाल, ट्रंप के रूप में आए बदलाव से भारत के पेशेवरों के साथ अमेरिकी हितों को भी लाभ होगा।

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपडे सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया -गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या



रत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रत गति से आगे बढ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है।लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनायर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनायर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनायर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनायर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनायर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष

बिलिनायर की सूची में 84 नए बिलिनायर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनायर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनायर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनायर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबिक वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनायर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनायर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनायर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनायर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहंच गई है। चीन में तो बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनायर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनायर की संख्या में और तेज गति से विद्ध होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनायर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनायर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनायर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12.500 करोड अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तलना में लगभग आधी है। चीन को ततीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फि लिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर



का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

क्रिकेट: सवालों के घेरे में निर्णय की तकनीक



लबर्न क्रिकेट मैदान पर खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट में आखिरी दिन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को जिस तरह से आउट दिया गया, उसने एक नई बहस छेड़.दी है कि क्या टेक्नोलॉजी के विपरीत फैसला देना उचित है। इस विवादास्पद फैसले का परिणाम पर क्या असर हुआ, यह अलग मसला है। हालांकि यशस्वी जिस समय आउट दिए गए, वह 84 रन पर खेल रहे थे और वह भारत को ड्रा की तरफ ले जाते नजर आ रहे थे। बहुत संभव है कि यह आउट नहीं दिया जाता तो मैच का परिणाम ड्रा रहता।

यशस्वी और ऋषभ पंत के खेलते समय भारत अच्छी स्थिति में नजर आने लगा था और ऑस्ट्रेलिया विकेट की जरूरत महसूस कर रहा था। इसी दौरान पैट कमिंस की लेग साइड़ पर ऊपर आती गेंद पर यशस्वी ने पुल करने का प्रयास किया और गेंद विकेटकीपर कैरी के ग्लब्स में चली गई। इस पर की गई अपील को अंपायर जोएल विल्सन के नकारे जाने पर पैट

कमिंस ने ड़ीआरएस लिया। स्लो मोशन में थर्ड. अंपायर शरफ़द्दौला को दिखा कि गेंद की ग्लब्स या बल्ले से लग कर दिशा बदली है। पर जब उन्होंने स्निको मीटर को देखा तो उसमें कोई हलचल नहीं दिखी। शर्फ़दौला ने गेंद की दिशा बदलने की वजह से आउट देने का फैसला किया जो विवादास्पद बन गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कमेंट्री करते समय इस फैसले पर नाखुशी जाहिर की। उनका कहना था कि जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं तो उसके हिसाब से ही फैसला करना चाहिए था यानी जब स्निको मीटर में कोई हलचल नहीं हुई तो यशस्वी को नॉट आउट दिया जाना चाहिए था क्योंकि मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था। वैसे भी नियमों के मुताबिक थर्ड. अंपायर मजबूत साक्ष्य होने पर ही मैदानी अंपायर के फैसले को बदलता है और यहां स्पष्ट साक्ष्य नहीं था। वैसे भी कई बार गेंद देर तक स्विंग करती है, जिससे कई बार उसके बल्ले से लगने का भ्रम हो जाता है और इस मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। गेंद बल्ले या ग्लब्स से लगती तो स्निकोमीटर में कोई न कोई हलचल जरूर होती। वहीं रवि शास्त्री ने तो कहा कि इस सीरीज में अंपायर ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज की भूमिका निभा रहे हैं। इस सीरीज के पर्थ टेस्ट में केएल राहुल के कैच नहीं दिए जाने के समय साफ दिख रहा था कि गेंद उनके बल्ले से लगी है, पर स्निको मीटर में हलचल नहीं दिखने की वजह से उन्हें कैच नहीं दिया गया था, इसलिए तकनीक को लेकर एकरूपता होनी चाहिए। अब सवाल है कि जब अंपायर स्निको मीटर को वरीयता दे रहे हैं तो उन्हें इस

मसले पर भी यही नियम अपनाना चाहिए था। पिछले एक-दो दशक से फैसलों को त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से ही आईसीसी तनकीक के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है पर जब तकनीक का सही इस्तमाल नहीं होगा तो खिलाडिय़ों का इस पर से भरोसा उठ सकता है। अंपायर्स कॉल का काफी समय से विरोध होता रहा है। इसमें किसी फैसले को लेकर अंपायर क्या सोचता है, इसका खिलाड़िय़ों को कई बार नुकसान और कई बार फायदा होता है। इस नियम के हिसाब से यदि अंपायर ने किसी बल्लेबाज को एलबीड़ब्लयू दे दिया है और ड़ीआरएस लेने पर गेंद विकेट से छू गई है तो वह आउट हो जाएगा। दूसरी तरफ अंपायर ने आउट नहीं दिया है तो गेंद के विकेट को छू लेने भर से वह आउट हो जाएगा। इसलिए बेहतर हो कि गेंद विकेट को छू भर ले तो आउट दिया जाए, ऐसी तकनीक विकसित करके फैसलों को त्रुटिहीन बनाया। यशस्वी तीसरे अंपायर के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए फैसला आने पर मैदान छोड़ऩे से पहले वह मैदानी अंपायरों से कुछ कहते सुने गए। इस पर मैदान में भारी तादाद मौजूद भारतीय समर्थक बेईमान-बेईमान के नारे बुलंद करते नजर आए। अच्छी बात है कि आज कहीं भी क्रिकेट खेली जाए भारतीय दर्शकों की मौजुदगी रहती ही है। मेलबर्न मैदान पर सर्वाधिक दर्शकों का 88 साल पुराना रिकॉर्ड.टूट गया। इस टेस्ट को देखने के लिए 376651 दर्शक पहुंचे। इससे पहले 1937 में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड़ टेस्ट को 350534 दर्शकों ने देख कर रिकॉर्ड.बनाया था। इससे यह भी साबित होता है कि यदि टेस्ट मैचों में अच्छी क्रिकेट खेली जाए तो वहां भी दर्शकों को टोटा नहीं रहता। यशस्वी के



खिलाफ फैसले पर विवाद होने की वजह से तीखी प्रतिक्रियाएं जरूर आ रही हैं।

इस संबंध में पूर्व अंपायर साइमन टाफेल का कहना है कि मेरे विचार में फैसला आउट था और मेरी निगाह में तीसरे अंपायर ने फैसला सही किया। तकनीक प्रोटोकाल के साथ हम साक्ष्य भी देखते हैं। अगर अंपायर को लगता है कि गेंद की बल्ले से लगकर दिशा बदली है तो उसे तकनीक के उपयोग की जरूरत नहीं है। गेंद की दिशा में मामूली बदलाव भी महत्त्वपूर्ण साक्य है। स्निको मीटर का संचालन बीबीजी स्पोर्ट्स करता है। इसके डायरेक्टर वॉरेन ब्रिनेन का कहना है कि स्निको मीटर में हलचल नहीं होने पर मैंने ऑड़ियो ड़ायरेक्टर से पूछा तो उसने कहा कि किसी तरह की आवाज नहीं आई। वह कहते हैं कि ऐसी स्थिति में सिर्फ हॉट स्पॉट से ही किसी फैसले पर पहुंचा जा सकता था, लेकिन आईसीसी आजकल इसका इस्तेमाल नहीं कर रही है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Self-punishment politics in Tamil Nadu

AS a form of political practice, the threat or act of self-punishment has a long and dubious tradition in Tamil Nadu. No political leader has selfimmolated or threatened to do so yet, but there was this minister in Jayalalithaa's Cabinet, a karate champion, who tied himself to a cross and reportedly had nails hammered into his palm for a few minutes to demonstrate his loyalty to her. Others in her Cabinet are known to have carried pots of burning coals. A woman minister, wearing a skirt of neem leaves, rolled on the ground in the precincts of a temple. Entertaining as all this is, it's not clear if such acts ever impressed the intended audience.So, when K Annamalai, president of the Tamil Nadu unit of the BJP, decided to whip himself in protest against the sexual assault of a student at Anna University, sure enough, social media audiences brought out the popcorn (salted only) for the meme fest that followed. But no words of sympathy or fellow feeling came from the divided house that the Tamil Nadu BJP is. One rival within suggested that it would have been more appropriate for Annamalai to have been given a few lashes by party leaders in Delhi. No words of support whatsoever came from the high command.As it seeks to make a dent in Tamil Nadu's Dravidian armour, the BJP has tried various ploys. The charge of atheism and "anti-Sanatan" tops the list. But, as the last parliamentary elections showed, that failed to win a single seat for the BJP, with the DMK sweeping up all 39 seats. Even Annamalai, despite the buildup he got from national television channels, could not win the Coimbatore seatFor sure, the party got its highest ever vote share of 11.38 per cent. But this was also the first time it had contested more than half the seats in the state, in alliance with the Pattali Makkal Katchi (PMK) and a breakaway group of the AIADMK. With the PMK leadership's father-son troubles coming to the fore in a very public way, the future of this caste-based party's alliance with Hindutva is uncertain. Simply put, nothing, including the search for the right alliance partners, has worked for the BJP in Tamil Nadu. The AIADMK has held back steadfastly. Elections are still months away — due only in May 2026. But the word is that AIADMK boss Edappadi Palaniswami has already made a preliminary approach to actor Vijay, the latest entrant on the block and a megastar with a fan following that does not have to be paid to attend public rallies. Some within the BJP believe that it was a mistake not to weaponise the 'rettai illai' or two leaves symbol against the AIADMK after it was frozen in 2017 in the wake of post-Jayalalithaa splits in the party. Some wonder why the threat or promise of the famed BJP 'washing machine' has not yet been deployed in this state. Trying to turn the Anna University rape case into a political storm, Kolkata style, was a gamble. The alleged rape of a student of Anna University in Chennai took place on December 24 when the woman was in the company of a male college mate in a secluded corner of the campus. The alleged rapist was known to the local police as a "history-sheeter", but he seems to have had a free pass into the prestigious institution. He threatened the male companion into leaving the place and proceeded to assault the woman, videoed his crime and threatened her with blackmail. If the security measures at the university were found wanting, the police did not cover themselves in glory either. The First Information Report was uploaded and made accessible to the public, with the victim's name, her address and contact details. The manner in which the FIR is worded questions the training of the police personnel at the all-woman police

station where the woman made the complaint. Shocking as this is, let's face it. Tamil Nadu is not a state with a high incidence of crimes against women. And, the BJP, which rules states like Uttarakhand and Haryana where the incidence of such crimes far outstrips the national rate, can hardly point a finger. Even BJP insiders here say they have no answer when they are asked why the PM has not visited Manipur yet.

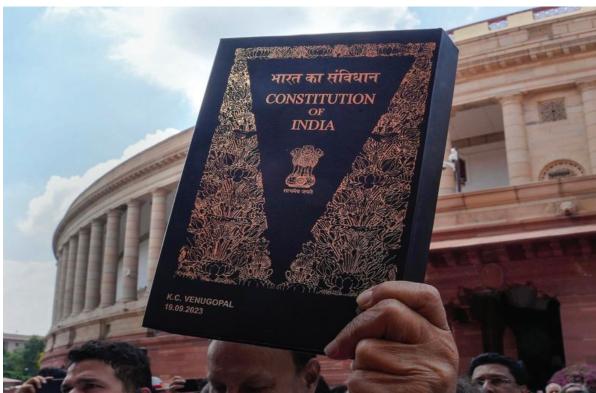
Why a better understanding of First Amendment is needed

The Nehru-led government, in place from 1947-52, faced constitutional roadblocks as the judiciary intervened in crucial cases.

PRIME minister Narendra Modi opened the discussion in the Lok Sabha on 75 years of the Constitution on December 14, 2024, by criticising India's first PM Jawaharlal Nehru for bringing the first constitutional amendment even before the first Lok Sabha was elected. Modi said: "This country didn't have an elected government from 1947 to 1952. A temporary system, a selected government was in place. Elections were not held. An interim government was in place until the elections. Before 1952, the Rajya Sabha was also not formed. There were no elections in states as well.'

The Prime Minister is partially right. The first amendment of the Constitution was passed by the provisional parliament before the first General Election was held.PRIME minister Narendra Modi opened the discussion in the Lok Sabha on 75 years of the Constitution on December 14, 2024, by criticising India's first PM Jawaharlal Nehru for bringing the first constitutional amendment even before the first Lok Sabha was elected. Modi said: "This country didn't have an elected government from 1947 to 1952. A temporary system, a selected government was in place. Elections were not held. An interim government was in place until the elections. Before 1952, the Rajya Sabha was also not formed. There were no elections in states as well."

The Prime Minister is partially right. The first amendment of the Constitution was passed by the provisional parliament before the first General Election was held.On September 10, 1949, amendments to draft Article 24 (Article 31) were discussed. Nehru moved the amendment stating that the possession of private property was given the protection of 'authority of law'. Any 'compulsory' acquisition of property for public purposes must have 'compensation'— a specified amount— or the principles on which and the manner in which the compensation is to be determined have to be built into the law authorising acquisition. He was absolutely clear that "there is no question of any expropriation without compensation so far as this Constitution is concerned". These conditions would be applied both to the Union and state governments. He did not see any conflict between "individual right to property and the community's interest in that property or the community's right". He explained that the amendment he moved reassures acquisition Speaking strongly for abolishing the zamindari and maintenance of private property, but he appeared to foresee the need for acquisition of small



or big chunks of private property for community purposes. In his view, the rights, the interests and welfare of the community override the individual rights. He asserted the authority of Parliament, not of the judiciary, to fix the principles to be laid down for a fair payment of compensation: "Parliament fixes either the compensation itself or the principles governing that compensation and they should not be challenged except for one reason, where it is thought that there has been a gross abuse of the law, where in fact there has been a fraud on the Constitution. Naturally the judiciary comes in to see that any Parliament representing the entire community of the nation will certainly not commit a fraud on its own Constitution and will be very much concerned with doing justice to the individual as well as the community." (CAD, Book No. 4, Vol. IX, p. 1195). Thus, a large part of the letter and substance of Nehru's draft for Article 24 was incorporated in the Constitution as Article 31, guaranteeing private property to the citizens of India.

system, Nehru stated: "It has been ... the old policy of the ... Congress ... that the zamindari institution in India ... must be abolished. So far as we are concerned ... shall give effect to that pledge naturally completely ... and no change is going to come in our way.... Within limits no judge and no Supreme Court can make itself a third chamber. No Supreme Court and no judiciary can stand in Judgement over the sovereign will of the Parliament representing the will of the entire community." (p. 1197). Thus, during the course of the presentation of the amendment that led to the finalisation of Article 31, the stage was set for the First Amendment. Both the content and substance of the arguments presented by Nehru made it clear that community interest within the boundaries of 'fair compensation' will prevail. Another important reason for the First Amendment was to 'qualify' the freedom of speech and expression as the executive orders for banning the Cross Roads, that Romesh Thappar edited, were shot down. As the Nehru government had taken exception to the Organiser, a publication of the RSS, that had been publishing articles against Pakistan that were communal in nature and were affecting the community relations in the country, it came under pressure regarding the Cross Roads, too.

Looking ahead

Farmers, Centre must find common ground

AS the dawn of 2025 brings hopes for change, Punjab's farmers must reflect on their strategies and open the door for constructive dialogue with the Centre. The year gone by, marked by relentless protests and the steadfast hunger strike of Jagjit Singh Dallewal for over a month now, has highlighted the farmers' demands — some just and deserving, but others simply blackmail. However, the frequent bandhs and road and rail blocks have also significantly disrupted public life, testing the patience of the very people whose support they depend upon. The peasants' commitment to their cause is undeniable. The success of the latest Puniab bandh on Monday underscored solidarity within the state, but at a steep cost — railway cancellations, road closures and economic disruptions. Such

methods risk alienating broader public sympathy. Prolonged stalemates only exacerbate frustrations on all sides, delaying solutions that could address genuine grievances.



The Centre, too, must adopt a more empathetic approach, shedding bureaucratic inertia. Invitations for talks should not be viewed as concessions but as avenues to achieve mutually beneficial outcomes. The Supreme Court's involvement has spotlighted the urgency of resolving these issues, but judicial mandates alone cannot heal the growing rift between the state and its agrarian backbone.

Punjab's dominant agrarian economy forms the backbone of the nation's food security. However, its farmers remain mired in challenges like diminishing returns, rising debts and an overdependence on wheat and paddy as also land degradation and desertification. Collaborations with policy experts, agricultural economists and political stakeholders could pave the way for innovative solutions, whether in agroindustrial integration or financial safeguards for the peasants. The new year

must signal an end to hardened positions. By embracing dialogue and pragmatism, Punjab's cultivators and the Centre can together lay the groundwork for lasting agricultural prosperity and societal harmony.

Time ripe for bold economic reforms

The average income of the middle class more than tripled in the 10 years that Manmohan Singh was PM. This was the golden period for the professional & managerial class in India.

THE new year has arrived with many challenges on the economic horizon. The one that looms most darkly is the geopolitical turmoil prevailing in several parts of the world. Another one is the inauguration of Donald Trump as US President and the multifarious concerns over policy changes by the global economic superpower. These will have a broad international impact, but there will also be outcomes for India.On the domestic front, all eyes will be on the new head of the Reserve Bank of India (RBI), Sanjay Malhotra, and his approach to inflation and growth. And as the Modi government prepares to present the second Budget of its third term, it will have to deepen reforms in order to slash the regulatory cholesterol

that is clogging the route to higher economic growth. The way forward must be viewed in the sombre context of the passing of several luminaries critically involved in the country's economic development. The most significant loss has been that of the architect of the 1991 economic reforms, former Prime Minister Manmohan Singh. The late Osamu Suzuki, long-time chairman of Japan's Suzuki Motor Company, took a bet on the over-regulated Indian economy in the mid-1980s. The gamble not only paid off for the company, but it also became the catalyst for the development of an automobile industry which now accounts for over 40 per cent of the manufacturing sector. For the domestic industry, the biggest blow came in October when corporate titan Ratan Tata breathed his last. The unlikely, softspoken successor to the flamboyant JRD ended up galvanising and expanding the house of Tatas to make it the largest conglomerate in the country.

These giants in the economic and business arena contributed to the current status of India as the fastest-growing major economy in the world. Yet, as one looks ahead, there are worries that this pace may

not be maintained in 2025. From 8.2 per cent growth in 2023-24, the current fiscal's figure is likely to be lower. The second quarter -July to September — recorded a seven-month low of 4.5 per cent. Though there are expectations of a pickup in the third quarter along with reports of reviving consumption, the economy continues to face headwinds. The most worrying of these is the prospect of an escalation in geopolitical tensions. The Ukraine-Russia war proceeds relentlessly and the downing of an Azerbaijani airline indicates that these hostilities will continue to have ramifications for the rest of the world. As for the Gaza conflict, it has not had widespread economic repercussions so far, but has the potential to create even more havoc. So far, the hostilities have extended to Lebanon and Iran, though in a limited manner. In case the latter becomes embroiled

in a wider way, it would have a direct impact on energy prices and availability. Attacks on Iran's oil and gas production or storage facilities are bound to have a bearing on international prices. Currently, oil markets are in the grip of bearish trends and prices of the benchmark Brent crude are hovering around \$72-74 per barrel. But this situation could alter dramatically if the conflict widens to neighbouring West Asian countries that are oil producers. This could lead to a spike in oil prices, which would, in turn, have an immediate fallout here in terms of pushing up the oil import bill, while simultaneously raising inflationary pressures.

Another concern is the impact of tariff barriers sought to be imposed by the incoming Trump administration. Though the actual contours of his new trade policy are yet to be unveiled, he has



declared that reciprocity would be a major element in formulating tariff proposals. While his greatest ire has been reserved for China and there have even been threats of levying up to 60 per cent import duties, he has also been sharply critical of India's high tariff barriers. For this country, it means that the creeping increase in import duties over the past two years may have to be halted or even reversed as otherwise Indian goods may end up being uncompetitive in the lucrative American market. The worries on this score are justified as Trump has described India as "a very big abuser of tariffs" and stressed that such taxes will invite reciprocity. On the plus side, the easing of protectionist tendencies is only for the good. On the negative side, it is not yet known whether the new Trump administration will enable Indian goods to have an edge in the US market vis-a-vis other countries like China. Much will depend on the final shape of trade policies formulated by the new administration. As for raising the pace of growth, the role of the new RBI chief will be critical. His approach to the entire 'inflation versus growth' conundrum is eagerly awaited in the run-up to the next monetary policy committee meeting. A lot will depend on whether inflation continues to moderate in the coming months. It has already cooled down to 5.48 per cent in November along with a dip in food inflation, raising hopes of a rate cut that would give an impetus to investment and growth. The

next big policy push of the government will be outlined in the upcoming Budget. This might be a coalition government, but major constituents like the Telugu Desam Party have been in favour of reforms. It would thus be the right time to step up the pace of cutting down regulations and procedures at the Central and state levels. The complexity of rules related to labour and land use are major hurdles for foreign and domestic investors. A new wave of reforms in this direction is needed to give a push to investments in all segments of the economy.

The 2025-26 Budget should be used as a launch pad for such measures. These should be viewed in the backdrop of the growing recognition that without bold policies, it will not be possible to raise growth to the level of 8-9 per cent. One can only hope the new year ushers in such fresh initiatives.

Explained: Why Bajaj Finance share price gained 4% in early trade

NEW DELHI. Bajaj Finance shares surged 4% in early trading on the Bombay Stock Exchange (BSE), hitting an intraday high of Rs 7,199. At 11:05 am, Bajaj Finance was the top gainer on the Sensex, up 3.74% to Rs 7,195.The rally in Bajaj Finance shares comes after global brokerage Citi maintained a bullish outlook, reportedly reiterating a 'Buy' rating with a target price of Rs 8,150.Citi also placed the stock on a '90-day catalyst watch,' citing positive expectations for the company's Q3 performance. In its report, Citi highlighted marginal improvement in credit costs, projecting them to rise slightly to 2.2-2.25% in Q3. It also forecast a 6% quarter-on-quarter (QoQ) and 7% year-on-year (YoY) growth in assets under management (AUM), driven by strong performance across mortgages, sales financing, securities lending, and new

Additionally, net interest margins (NIMs) are expected to improve by 3-5 basis points.

Bajaj Finance's recent financial performance has been robust. In Q2, its net profit rose 13% YoY and 2.8% QoQ to Rs 4,013 crore, while AUM grew by 28.8% YoY to Rs 3,73,924 crore. Its net interest income (NII) climbed 28% YoY to Rs 14,987 crore.

It may b noted that Bajaj Finance shares have gained over 8% in the past month. However, it delivered slightly negative returns over the past year. Analysts remain optimistic about the company's long-term prospects, highlighting sustainable earnings growth and strong franchise longevity.

New Year 2025: Food delivery platforms see record number of orders; biryani tops the list

BENGALURU. From biryani to cakes and pizza, New Year Eve witnessed record-breaking orders for top quick commerce platforms. For Swiggy, food delivery orders surged across cities and biryani remained the country's favourite, with a chicken biryani delivered in 164 seconds in Nellore. Cakes were favourite too, with 2,96,711 orders delivered this NYE.Rohit Kapoor, CEO, Swiggy Food Marketplace, said they witnessed celebrations like never before and that delivery partners collectively travelled 65,19,841 kilometers.Kapoor also said Kochi out ordered Lucknow this NYE. In Delhi, a user saved Rs 41,142 through Swiggy Dineout.

Zomato-backed Blinkit said Bengaluru has tipped the most with a total of Rs 1,79,735 in tips. Blinkit CEO Albinder Dhindsa said the biggest party order was placed from Kolkata and it was worth Rs 64,988.

On New Year's Eve, Swiggy co-founder Phani Kishan too shared live updates on X, highlighting the top picks on quick commerce- from the most expensive order in Goa to the highest ice cubes per minute, to the fastest delivery of tonic water in just 4 minutes. One in every 8 orders was for a cold drink, with cola soft drinks up by 394%, and clear soft drinks soared by 941% on the platform.

The Swiggy co-founder also shared milestones for Swiggy Instamart, which hit its highest-ever orders on December 31, 2024- double the previous New Year's Eve sales.

BigBasket CEO Hari Menon said the platform witnessed a surge in demand for home baking, cards, and party games, apart from frozen veg snacks (240%) and ice cubes (1,290%).

Meanwhile, comedian Kunal Kamra asked Blinkit CEO to reveal wages of delivery partners. He asked Dhindsa on X, "Can you also enlighten us with data on the average wages you paid your delivery partners in 2024."

GST collection growth slows down in December to 7.3%

NEW DELHI. The growth in monthly GST collection slowed down further in December, with gross revenue during the month registering a growth of 7.3% to Rs 1.77 lakh crore. In November, the gross revenue had increased by 8.5% to Rs 1.85 lakh crore. the current financial year, the gross monthly GST revenue grew at a double-digit rate only in three out of nine months.uring December, gross revenue from domestic transactions grew at 8.4% to Rs 1.32 lakh crore while those from imports grew at 3.9% to Rs 44,268 crore. Year-to-date, the gross revenue has increased by 9.1% to Rs 16.33 lakh crore.et GST collection (net of refunds) grew at an even slower



pace of 3.3% to Rs 1.54 lakh crore in December. This is the slowest growth in net monthly GST revenue in the current financial year. In November, the net collection had grown

at 11.1% to Rs 1.63 lakh crore. Refunds during December grew at 45.3%.

India's recent GST collections have slowed down slightly, which is typical after the holiday season, says Saurabh Agarwal, tax partner, EY India, adding that it is well in line with expectations as we have been witnessing slight decrease in consumer spending over the past few months. In the first nine months of FY25, the net goods and services tax collection stood at Rs 14.5 lakh crore. Of that, Rs 2.8 lakh crore has been collected under Central GST, Rs 3.5 lakh crore has been collected under State GST, and Rs 7.08 lakh crore has been collected under the Integrated GST. Net Cess collection in the April-December period was Rs 1.1 lakh crore.Most large states showed low single-digit growth rate during the month. GST collection in UP and MP grew at 1% and Bihar at 2%. Gujarat revenue grew at 4% and West Bengal at 5%. Karnataka registered a growth of 7%, Rajasthan 8% and Maharashtra grew at 9%. However, Tamil Nadu at 11% and Telangana at 10% bucked the trend, and posted double-digit growth. Collections in Andhra Pradesh contracted by 6% during the month.

Economy slowdown seasonal, need private capex: SBI chief

MUMBAI. C S Setty, who took over as SBI chairman in August 28, is positioning the country's largest bank as an entity focused on delivering quality service to customers by preparing the state-owned lender to harness technology. While upbeat on the economy, Setty tells TOI that the Budget should focus on pushing private sector capex. Also read: Economy to grow at 6.5-6.8% in FY25, predicts Deloitte

Excerpts: How would you position SBI, given that private banks are achieving scale?BI is a 218-year-old institution, but we constantly reinvent ourselves to stay relevant. We began with rural financing, which remains a mainstay, but we have also expanded into corporate and retail banking. This showcases SBI's agility in adapting and readjusting to market dynamics. Over the last decade, we have embraced technology and digitalisation. Despite our extensive physical presence, we are A recent finmin report mentioned RBI's

India. How do you plan to improve these channels?We are adding another SBI to ourselves every six years. Managing this scale requires more than just increasing headcount - it calls for a blend of manpower and technology. We are strengthening all our channels, including 'feet on the street'. A large number of employees are dedicated to home and auto loan procurement. In

addition, we are actively recruiting; we will hire 13,000 clerical staff.In the previous quarter, did you notice any slowdown? What is the outlook for the next quarter? Any slowdown we observed is seasonal, not structural. Govt spending was subdued in the last two quarters, but we anticipate resilience in the economy. Our house view is for approximately 6.5% growth.

now the largest digital bank in macro-prudential regulations

contributed to the slowdown. What's SBI's view on these segments?

The segments impacted by RBI's measures have slowed down. However, SBI benefits from being a diversified bank. If one segment slows, we pivot to others. Sectors like MSME, and agriculture are performing well and remain vital to the economy. What'your Budget wishlist?

The Budget should focus on spurring economic activity and boosting private capital expenditure. Shortening the

tenure of tax-free deposits would be helpful as long-term capital gains is available on shorter-term

There's exuberance in the home loan market. Has this made you cautious? Around 99% of our home loan borrowers are first-time homebuyers rather than speculative investors. This is reflected in our strong asset quality. We didn't see significant defaults, even during Covid. The market remains predominantly owner-occupied, with vast untapped potential.

Do you have visibility on gold loan use?

Gold loans are primarily used for shortterm cash management by small businesses and SME customers, though some are for consumption purposes. We also have a significant agri-gold loan portfolio, which is very low-risk. We maintain visibility over how these loans are used and repaid, ensuring moderate loan-to-value ratios.

Damaged Or Lost Your Aadhaar Here's How To Retrieve Duplicate Online

You can easily request for a new Aadhar card with the UIDAI's online services from the comfort of your home.

New Delhi: The Aadhaar card, a 12digit unique identification

number issued by the Government of India has become an essential document for every citizen. It plays a crucial role in daily life, whether for personal identification, address proof or accessing government services. However, with its growing use, losing access to this important ID could lead to several inconveniences which would affect vital government-related tasks. Here's a guide to help you navigate what to do if you lose your Aadhaar card. However, If your



Aadhaar card is lost or damaged, there's no need to worry - getting a duplicate is quick and hassle-free. You can easily request for a new Aadhar card with the UIDAI's online services from the comfort of your home. Just follow these easy steps to get started:-Click on 'My Aadhaar': Find asnd click the 'My Aadhaar' tab on the homepage. Select 'Order Aadhaar Reprint': Under 'My Aadhaar,' choose 'Order Aadhaar

Reprint' from the list of options.- Enter Aadhaar Number or Virtual ID:

Provide your 12-digit Aadhaar number or 16-digit Virtual ID, along with the security code displayed on the screen.

Request OTP: After entering your details, an OTP (One-Time Password) will be sent to your registered mobile number. Enter it to continue.

Verify Details and Make Payment: After OTP verification, review your

details. If everything looks good, proceed to pay the reprint charges, which may vary.- Receive Confirmation and SRN: Once payment is successful, you'll receive a confirmation along with a Service Request Number (SRN). Use the SRN to track your request.

Download e-Aadhaar: While waiting for the physical card, you can download your e-Aadhaar from the UIDAI website. It's equally valid for

SJVN share price: Stock loses momentum, falls over 2% post 8% jump yesterday

Shares of SJVN Limited dropped by over 2% in early trading on Thursday, hitting a day's low of Rs 108.30. The stock opened the day at Rs 111.45 after closing at Rs 110.90 in the previous session. At the time of writing, SJVN was trading at Rs

108.80, down 1.89%. The company's market capitalisation stood at Rs 42,795.47 crore. SJVN shares have been volatile. The stock touched its 52-week high of Rs 170.45 on 5 February 2024 but has seen a downward trend since. It reached its 52-week low of Rs 88.85 on 10 January 2024.In

the past month, the stock has declined by 4.44%,

and over the last six months, it has fallen by 17%. On Wednesday, shares of SJVN rose sharply by 8% in early trade after the company announced a new project in Bihar. This rally was driven by positive market sentiment following the announcement.



Indian Stock Market Opens Flat, Nifty Above 23,700

New Delhi. The domestic benchmark indices opened flat on Thursday as selling was seen in the PSU bank, pharma, FMCG, realty, media, energy and metal sectors on Nifty. At around

9.31 am, Sensex was trading at 78,573.16 after rising 65.75 points or 0.08 per cent, while Nifty was trading at 23,766.05 after rising 23.15 market trend remained positive. On the National Stock Exchange (NSE), 1,366 stocks were trading in green, while 529 stocks were in red. According to market experts, Q3 corporate earnings are unlikely to register a rebound which

means that investors have to focus on segments which will buck the slowdown. Nifty Bank was up 21 points or 0.04 per cent at 51,081.60. Nifty Midcap 100 index was trading at 57,471.35 after rising 20.45 points or 0.04 per cent. Nifty Smallcap 100 index was at 18,961.95 after rising 2.15 points The Dow Jones declined 0.07 per cent to

or 0.01 per cent.On the sectoral front, buying was seen in the Auto, IT, financial service and private bank sectors on Nifty. In the Sensex pack, Bajaj Finance, Kotak Mahindra Bank,



Tata Motors, Bajaj Finserv, UltraTech Cement, Maruti Šuzuki, M&M, Infosys, Zomato, IndusInd Bank and ICICI Bank were the top gainers. Whereas, NTPC, HDFC Bank, Asian Paints, Bharti Airtel, ITC and Tech Mahindra were top losers.

close at 42,544.22. The S&P 500 declined 0.43 per cent to 5,881.60 and the Nasdaq declined 0.90 per cent to close at 19,310.79 in the last trading session In the Asian markets, Jakarta

was trading in green while Hong Kong, China, Bangkok and Seoul were trading in red. According to experts, FIIs are

likely to continue with their selling strategy since the dollar remains strong and the US bond yields are attractive enough for FIIs to ignore emerging markets in the near-

While domestic institutional investor (DII) buying can support the market at lower levels, that is not sufficient to

take the market higher. For higher market levels we will have to wait for indications of growth and earnings recovery." they noted. FIIs sold equities worth Rs 1,782.71 crore on January 1, while domestic institutional investors bought equities worth Rs 1,690.37 crore on the same day.

The company signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Bihar government for the development of the Hathidah Durgawati Pumped Storage Project (PSP). This 1,000 MW project is valued at Rs 5,663 crore and is expected to boost SJVN's growth prospects.

The agreement involves the development of the 1,000 MW Hathidah Durgawati Pumped Storage Project (PSP) in Bihar. This project will operate with a levelised tariff of Rs 9.39 per kWh, calculated at February 2024 prices, with a pumping energy rate of Rs 3 per kWh.The pumped storage facility, which will be built on the Durgawati River in Kaimur district, is designed to provide a peak energy output of 6.325 million units (MU) per day and an annual peak energy generation of 2,308.65 MU.

SJVN is actively developing around 12,000 MW of energy storage projects across various Indian states, including Maharashtra, Karnataka, Mizoram, Himachal Pradesh, and Bihar. These initiatives align with the company's vision of becoming a key player in India's clean energy

High rates, declining finance impacting exporters' competitiveness: Cll

Budhia suggested the government extend the interest equalisation scheme, which ended on December 31, 2024, for three years for all manufacturing exporters

New Delhi Indian exporters are grappling with significant liquidity challenges due to high interest rates and a decline in export finance, which are undermining their competitiveness, according to Sanjay Budhia, Chairman of the CII National Committee on EXIM.

To address these issues, he said, the government and banks must work together to provide effective solutions.

Budhia suggested the government extend the interest equalisation scheme, which ended on December 31, 2024, for three years for all manufacturing exporters, including MSMEs (micro, small and medium enterprises). The longer period extension of the scheme would be a Indian manufacturers at a disadvantage,

"Exporters are indeed facing significant challenges on the liquidity front, with high interest rates and declining export finance impacting their competitiveness," he told PTI.MSME exporters, who form the backbone of India's export ecosystem, would benefit greatly from increasing the interest subsidy for pre- and post-shipment credit from 3 per cent to 5 per cent, particularly in key sectors such as leather, engineering, apparel, and gems and jewellery.

Apex exporters body Federation of Indian Export Organisations (FIEO) too has demanded that the government extend the scheme for five years in the forthcoming Budget, which is scheduled to be presented by Finance Minister Nirmala Sitharaman on February 1.

Further, he said that expanding Letter of Credit facilities for large overseas projects could provide much-needed support to exporters."Banks and financial institutions should work towards broadening the coverage under export credit guarantee programmes," Budhia, who is also MD of PATTON Group, said.

crucial step, as its limited extension leaves He noted that the Export Credit Guarantee Corporation of India (ECGC) currently provides 90 per cent insurance cover for exporters with a credit limit of up to Rs 50 crore."This coverage could be extended to Rs 100 crore, and more banks could be brought into the fold to ensure better



access to credit, he said.

According to FIEO, there is a decline of 5 per cent in export credit between March 2022 (Rs 2,27,452 crore) and March 2024 (Rs 2,17,406 crore). Export credit under PSL (priority sector lending) on July 1, 2022, was Rs 19,861 crore and it declined to Rs 11,721 crore on June 28 this year, which is a dip of over 40 per cent, FIEO

has said. Budhi also asked the government to streamline the implementation of the Remission of Duties and Taxes on Export Products (RoDTEP) scheme by transferring benefits directly to exporters' bank accounts, rather than through credit scrips, as it can reduce administrative

delays and enhance efficiency."Government should validate the RoDTEP scheme for 3 years to provide long-term visibility to exporters to secure business," he said, adding that easy access to affordable credit remains crucial.When asked about the impact of US President-elect Donald Trump's threat to impose reciprocal tariffs on Indian goods, Budhia said it could provide both challenges and opportunities for domestic exporters. While such measures

could disrupt specific trade flows, they also offer a unique chance for India to position itself strategically in the global supply chain, he said, adding that these reciprocal tariffs could lead to higher costs for Indian goods in the US market, particularly in price-sensitive sectors such as engineering, textiles, garments, and automotive components.

NRI charged Rs 10,000 for wheelchair at station, porter's licence cancelled

-After the incident came to light, the Railways initiated an inquiry and cancelled his licence. The porter was also asked to return 90 per cent of the amount to the passenger.

New Delhi. The licence of a porter at Delhi's Hazrat Nizamuddin railway station was cancelled after he charged an exorbitant amount of Rs 10,000 from an NRI passenger for wheelchair services and carrying his luggage to the platform. After the incident came to light, the Railways initiated an inquiry and cancelled his licence. The porter was also asked to return 90 per cent of the amount to the passenger. Northern Railways said its Delhi division had withdrawn the porter's badge. The Railways further stated that it had a "zerotolerance policy" for such incidents, and it considered passenger interests paramount.

Payel, the daughter of the NRI passenger, filed a complaint with the Railways after learning that wheelchair assistance service was free at stations. The incident took place on December 28. The porter was identified after checking CCTV footage and was made to return Rs 9,000 to the passenger. Expressing shock and disbelief over the incident, the divisional railway manager said the Railways was committed to providing a safe and convenient journey for its passengers.

Saying that such incidents tarnish the image of



▶Porter asked to return 90% of the amount to passenger ► Porter identified via CCTV during probe

►The porter's badge was also taken away by the railway authorities

the Railways and erode the trust of passengers, he assured that strict action would be taken against those found guilty. The railway

administration further appealed to all passengers to immediately contact the helpline number 139 if they face any kind of problems.

Delhi court grants bail to man in illegal arms case

NEW DELHI. A Delhi court has granted bail to a man accused of possessing illegal firearms, raising concerns over the possibility that the weapons may have been planted. The case involved Ajay, a.k.a "Totla," who was booked under the Arms Act by the Delhi Police Crime

Additional Chief Judicial Magistrate (ACJM) Medha Arya, while hearing Ajay's bail plea, highlighted discrepancies in the timeline presented by the police.In an order dated December 24, the court referred to the argument made by Ajay's counsel, alleging that the recovery of illegal arms was fabricated. The FIR noted that the investigating officer (IO) received information to apprehend Ajay around 11 p.m. on December

However, records showed that Ajay had already been detained by 10:41 p.m. the same day. The court pointed out that this inconsistency had been brought to duty magistrate's notice earlier, who had directed the station house officer to submit a detailed report.

SC pulls up Punjab officials for creating false impression on breaking Dallewal's fast

NEW DELHI. The Supreme Court on Thursday pulled up the Punjab government and said its officials and some farmer leaders are creating a false impression in media that attempts are being made to break farmer leader Jagjit Singh Dallewal's fast.A bench of Justices Surya Kant and Ujjal Bhuyan said it needs to clarify that court has never directed to break Dallewal's protest but is only concerned with his health and wants medical aid to be provided to him urgently.

Justice Surva Kant said the court does not want to say much but it appears that Punjab government officials and some farmer leaders are making irresponsible statements in media to further complicate the situation on the ground."We need to check the bonafide of some farmer leaders towards Dallewal," the bench observed.Punjab Advocate General Gurminder Singh denied any such attempt to complicate the situation and said efforts are being made to persuade Dallewal to take medical aid without breaking his fastThe bench said since the chief secretary and the Director General of Police (DGP) of Punjab are appearing virtually in the matter, hopefully the court's message will go down the line.It asked both officials to file their affidavit indicating compliance with the December 20 order in which the court has directed the Punjab government to shift Dallewal to the nearby medical facilities created by the state. The apex court listed the matter for further hearing on January 6. The top court also issued notice to the Centre on a fresh petition filed on behalf of Dallewal seeking direction to the Union government to comply with the promises, including a legal guarantee of minimum support.

Girls, in school uniform, exchange blows over 'liking same boy' in UP

New Delhi. Two girls in Uttar Pradesh's Baghpat district got into a violent altercation on a busy road after reportedly discovering that they both liked the same boy in their school. A video of the incident went viral on social media on Wednesday, January 1, where the two girls, in school uniform, can be seen punching, kicking, and pulling each other by the hair on a road as their friends tried to pacify the situation. According to the police, the incident happened in the Sarai area under the Singhwali Police Station area on Tuesday after the girls were returning from their school.



Speaking about the incident, the SHO of Singhwali Police Station said that a probe has been launched into the incident based on the video. However, no formal complaint has been received from any side, the official said. "We are probing the incident. Action will be taken based on the complaint," the police official said while speaking on the incident.

Earlier in a similar incident, two women clashed in Maharashtra's Paithan district over a boy in public. After the incident, the girls were taken to a police station and were released after counselling.

BJP, Congress in nexus to raze jhuggis: AAP

NEW DELHI. Aam Aadmi Party (AAP) leader and Malviya Nagar MLA Somnath Bharti on Wednesday accused the BJP and the Congress of jointly orchestrating the demolition of 'jhuggis' (slum dwellings) in Indira Camp, Malviya Nagar.

'Today, I present a glaring example of the current state of affairs in Delhi. Since the introduction of the Mukhyamantri Mahila Samman Yojana and the Sanjeevani Yojana, both the Congress and BJP have been thrown into utter chaos. Our senior leaders have rightly dubbed the BJP as the 'Bharatiya Jhootha Party.' Whatever semblance of composure these parties had was completely shattered with the announcement of the Pujari-Granthi Samman Yojana," Bharti said.

On Tuesday, in my constituency's Indira Camp, a telling incident occurred that exposes the true face of the BJP. The party had previously launched the 'Jhuggi Prawas Yojana,' claiming they would live among jhuggi residents to understand their struggles. But, as we predicted, it was all a façade. Yesterday, the BJP arrived in Indira Camp, initially pretending to show sympathy before sending bulldozers to demolish homes," the AAP MLA said. He further alleged that when MCD officials arrived to demolish the homes, neither he nor his local councillor were informed in advance."What was more surprising was the presence of the Congress's local candidate at the demolition site. How did he know about it? Upon investigation, it became clear that Congress and BJP were working together in this action. The demolition was carried out by MCD officials, with full knowledge and support from Congress," Bharti added.

In response, Delhi BJP spokesperson Praveen Shankar Kapoor criticised Bharti, claiming the MLA had lost his political relevance. Kapoor reminded that Bharti had been the candidate for the AAP-Congress alliance in the recent Lok Sabha elections from the New Delhi constituency, making his current allegations against Congress contradictory.

Kapoor also asserted that several key AAP leaders, including Bharti, Satyendar Jain, Manish Sisodia, and Arvind Kejriwal, were facing an inevitable defeat in the upcoming assembly elections. He accused them of avoiding discussions on development and governance, instead attempting to distract the public with such controversies.

Dense fog engulfs Delhi amid cold, reduced visibility may affect flight ops

As a result of the reduced visibility, authorities at the Delhi airport said that flight operations were likely to get affected.

New Delhi. Dense fog engulfed parts of Delhi on Thursday as the temperature dipped to 7.6 degrees Celsius. As a result of the reduced visibility, authorities at the Delhi airport said that flight operations were likely to

get affected. The runway visibility is between 200 to 500 meters, while the general visibility at the IGI airport dropped to zero at 6 am. Operations to land flights in low visibility conditions are currently underway, Delhi airport further said. Operations of flights that are not equipped to land in low visibility conditions are more likely to get affected. According to FlightRadar24, at

least 80 flights have been delayed, with the average delay being 13 minutes. As many as five flights have been cancelled so far. The minimum temperature for today was recorded at 7.6 degrees Celsius at 8.30 am from Safdarjung, according to

Earlier, India Meteorological Department (IMD) had issued a yellow

alert for several places in Delhi for moderate fog and at isolated places for dense fog.

The maximum and minimum

17 degrees Celsius and 8 degrees Celsius respectively. On New Year's, Delhi residents woke up

to the third consecutive day of cold conditions with the mercury dipping to 7.4 degrees while the

temperatures forecasted for today are

Celsius, four notches below normal. The IMD has predicted improved visibility and marginally warmer weather from January 3, providing some relief to Delhi residents from

biting cold and dense

fog. A cold day is when

maximum temperature

remained at 15 degrees

the maximum temperature is anywhere between 4.5 degrees Celsiusto 6.5 degrees Celsius below normal.

DDA to survey sites on Yamuna floodplains for ropeways

-The direction came after the Lchaired a meeting to explore alternative modes of non-polluting public transport. These cable cars would carry passengers across the Yamuna river.

NEW DELHI. Lieutenant governor (L-G) VK Saxena on Wednesday directed Delhi Development Authority (DDA) to process on Yamuna floodplains to identify sites for the installation of cableways.

The direction came after the L-G recently chaired a meeting to explore alternative modes of non-polluting public transport. These cable cars would carry passengers across the Yamuna river.

"This project once it takes off, will operate during fixed timings from morning to night in cable cars with a capacity of about 50 passengers each, across the Yamuna," said a statement.DDA, which is the owner of the floodplains, will select sites in the



vicinity of metro stations on either bank of the river, where installations would come up without encroachment or concretisation of the floodplain. The L-G, while issuing directions, asked the officers to ensure that the sites are selected which are nearer to metro/DTC nodes, at a walkable distance. This, he emphasised,

will encourage people to walk even during their busy schedules.

It may be noted that even in sites like Baansera and Asita developed by DDA on Yamuna floodplains, the parking sites are located far from the main park areas, so as to ensure that people walk in the greens and ensure physical fitness too.

These cableways are aimed at ensuring that people can take an alternate, non-polluting mode of transport across the river rather than crossing it on buses, autos and private vehicles that invariably add to air pollution. It

would also ensure less traffic on roads and bridges. Apart from this, it would also provide additional routes closer to the place of residence/work to people, ensuring that people do not have to take long circuitous routes. This will automatically lead to lesser traffic, lesser pollution and saving of travel time.

Territorial Army launches task force for Gomti river rejuvenation

Named Ganga Task Force (GTF), the battalion will take on responsibilities such as pollution monitoring, patrolling of riverbanks and ghats, public awareness campaigns, and riverbank stabilisation efforts for the rejuvenation of the Gomti River.

New Delhi. The Territorial Army on Wednesday established a new task force dedicated to the rejuvenation and protection of the Gomti River. According to a statement by the Territorial Army, the company, named Ganga Task Force (GTF) battalion, will provide a boost towards environmental preservation and sustainable development.

Comprising primarily ex-servicemen, the Ganga Task Force will take on responsibilities such as pollution monitoring, patrolling of riverbanks and ghats, public awareness campaigns, and riverbank stabilisation efforts.

The formal raising ceremony took place on Wednesday, January 1, at Lucknow Cantonment. The ceremony was marked by a symbolic flag handover by Brigadier Chinmay Madhwal,



Commander of Territorial Army group S, Commanding Officer of the GTF. headquarters to Colonel Aravind Prasad The ceremony saw the participation of

people from both military and civilian sectors, including Professor Dr Venkatesh Dutta from Babasaheb Bhimrao Ambedkar University.

Professor Dutta, during the ceremony, provided historical context and insights into the challenges faced by the Gomti River. He also expressed confidence in the task force's potential to bring about a swift and meaningful rejuvenation of the Gomti River.

The new company has been established under the aegis of the National Mission for Clean Ganga (NMCG), Ministry of Jal Shakti, with orders issued by the Ministry of Defence in September 2024.

This initiative not only aims to revitalise the Gomti River but also underscores the Indian Army's continued contribution to nation-building and environmental sustainability.

Videos Show How US Army Veteran Ran Through Crowd With Truck, Killing 15

New Orleans, US. Security camera footage has emerged of suspected terrorist Shamsud-Din Jabbar plowing his pickup truck down a packed Bourbon Street in New Orleans on New Year's Day. The attack killed at least 15 people and injured 35 others. Police described Jabbar as a "terrorist," while the FBI said "an ISIS flag was located in the vehicle," using another name for the Islamic State armed group. Videos circulating on social media show Jabbar's white pickup truck with an ISIS flag inching through Canal Street traffic before taking a sharp turn down Bourbon Street.n another video, the white Ford pickup truck can be seen speeding through the crowded French Quarter on New Year's Day as partygoers scrambled around to save their lives.At least fifteen people were killed and dozens of others were injured after US Army veteran Jabbar swerved around makeshift barriers and barreled into revellers in New Orleans' crowded French Quarter on New Year's Day. Officials said they were searching for accomplices but gave few details.

US President Joe Biden, describing the attack as "despicable," said that hours before Jabbar had posted videos online "indicating that he was inspired by ISIS."Officials said a manhunt was underway, with FBI agent Alethea Duncan warning that authorities "do not believe that Jabbar was solely responsible."

We're hunting some bad people down," Louisiana Governor Jeff Landry said. An FBI spokesman told AFP that 15 people had been killed, citing the New Orleans coroner's office.

Moldova's 'First Dog' Goes Missing On New Year's Eve, Found A Day Later

Chisinau. Moldovan President Maia Sandu's dog, notorious for biting the Austrian president, was safely home in the official residence on Wednesday after going missing on New Year's Eve.

Codrut, which means small forest in Moldova's official language of Romanian, bolted during fireworks. Capital residents rallied, posting sightings of the golden-haired pet on social media, and he was brought home hours later.Our good friend Codrut had an unpleasant experience," presidential press secretary Igor Zaharov wrote on social media. "He is safe at home."The mixed breed canine, who is missing a leg, was adopted by Sandu in 2023 after he was hit by a car. Austrian President Alexander Van der Bellen suffered a minor hand wound when Codrut bit him during a November 2023 state visit.odrut is not the only presidential dog with a biting problem. US President Joe Biden successively banished two German Shepherd pets from the White House due to biting.

US Treasury's Sanctions Office Hacked By Chinese **Government: Report**

Washington DC.Chinese government hackers breached the U.S. Treasury office that administers economic sanctions, the Washington Post reported on Wednesday, identifying targets of a cyberattack Treasury disclosed earlier this week.

Citing unnamed U.S. officials, the Washington Post said hackers compromised the Office of Foreign Assets Control and the Office of Financial Research and also targeted the office of U.S. Treasury Secretary Janet Yellen. The department earlier this week disclosed in a letter to lawmakers that hackers stole unclassified documents in a "major incident." It did not specify which users or departments were affected. Asked about the paper's report, Liu Pengyu, spokesperson for the Chinese Embassy in Washington, said the "irrational" U.S. claim was "without any factual basis" and represented "smear attacks" against Beijing.



The statement said China "combats all forms of cyberattacks" and did not directly address the Washington Post's reporting on specific targets.

The Treasury Department did not immediately respond to requests for comment on the newspaper report.

The Washington Post quoted its sources as saying that a top area of interest for the Chinese government would be Chinese entities that the U.S. government may be considering designating for financial sanctions.

The Treasury letter earlier this week said hackers compromised third-party cybersecurity service provider BeyondTrust.Chinese firms, individuals and entities have been a frequent target for U.S. sanctions, which Washington has used as a key tool in its foreign policy towards Beijing. The United States considers China's its biggest foreign policy challenge, and last month Yellen told Reuters that Washington would not rule out sanctions on Chinese banks as it seeks to reduce Russia's oil revenue and access to foreign supplies to fuel its war in Ukraine.

Horrified": World Leaders React To **New Orleans Attack That Killed 15**

Paris. France.International condemnation poured in Wednesday for the attack on a crowd of New Year's Eve revellers in New UK Orleans, which killed at least 15 people and wounded dozens more.

Here is a round-up of global reactions. France

"New Orleans, so dear to the hearts of the French, has been struck by terrorism," French President Emmanuel Macron wrote on social media platform X, posting in both French and English.New Orleans was initially founded by colonists from France and the attack took place in the Louisiana city's famed French Quarter. "Our thoughts are with the families of the victims and the injured, as well as with the American people, whose sorrow we share," Macron said.Christian Estrosi, mayor of the southern city of Nice, which suffered a carramming attack in 2016 that killed 86 people, also sent condolences."The tragedy in New Orleans, a sister city of Nice, very painfully recalls our own... Our thoughts go out to the families and the lives mowed

World. Israeli Defence Minister Israel

Katz issued a stern warning stating that

Israel would intensify its military

operations in Gaza if Hamas does not

agree to a deal for the release of hostages "soon." In a public statement, Gallant said that should

Hamas fail to permit the release of

Israeli hostages, the group would

face "blows of an intensity not seen

in Gaza for a long time." He

emphasised that Israel's military

would "escalate and intensify" its

efforts against militant strongholds

in Gaza until the hostages are freed

and the US are stalled over key issues,

including the continuation of the

and Hamas is "eliminated."

down in mid-New Year's celebrations," he said on X.

"The shockingly violent attack in New Orleans is horrific," said British Prime Minister Keir Starmer on X."My thoughts are with the victims, their families, the emergency responders and the people of the United States at this tragic time.'

"Horrified by the attack in New Orleans, US, which has claimed innocent lives and left many injured," Ukrainian President Volodymyr Zelensky posted on X.

'We trust that those responsible for this terrible act will be brought to justice. United Nations Violence, terrorism, and any threats to human life have no place in our world and must not be tolerated. Our deepest condolences to the families of the victims... Ukraine stands with the American people and denounces violence."

European Union

"I am deeply saddened by the deliberate attack on those celebrating New Year's in Germany

Gaza Offensive To Escalate If Hostage

Deal Fails, Israel Warns Hamas

contention is Hamas's demand for the

withdrawal of Israeli forces from Gaza,

which Israel opposes, asserting the

need for a continued military presence

New Orleans," the European Union's top diplomat, Kaja Kallas, posted on X.

There is no excuse for such violence... We stand in full solidarity with the victims and their families during this tragic time."

UN Secretary-General Antonio Guterres "strongly condemns" the attack and "extends his condolences to the families and loved ones of those who lost their lives", according to a statement from his spokesperson.

He also wishes a swift recovery to those

This is terrible news from New Orleans, German Chancellor Olaf Scholz said in a post on X."People celebrating happily are torn from their lives or injured by senseless hatred. We grieve with the families and friends of the victims and wish all those injured a quick recovery."

'Deeply saddened by the terrorist attack in New Orleans," Israeli Foreign Minister Gideon Saar wrote on X."My heartfelt condolences go out to the families of the victims. Wishing a swift recovery to the two injured Israeli citizens and all the wounded... Terror has no place in our world."

Saudi Arabia

Saudi Arabia "condemns and denounces" the attack, its foreign ministry said in a statement on X.

Turkey

"We are deeply saddened by the attack that took place in New Orleans, USA," Turkey's foreign ministry said in a statement."We extend our condolences to the families.

"Picked Wrong Vehicle": Elon Musk On **Cybertruck Explosion**

World. Billionaire Elon Musk claimed that the explosion involving a Tesla Cybertruck outside the Trump International Hotel in Las Vegas was an act of terrorism. Mr Musk said that the electric vehicle's design minimised the blast's impact, sparing the hotel from significant damage."The evil knuckleheads picked the wrong vehicle for a terrorist attack. Cybertruck actually contained the explosion and directed the blast upwards. Not even the glass doors of the lobby were broken," Mr Musk posted on X.

The explosion occurred early Thursday morning when a 2024 Tesla Cybertruck, reportedly rented through the car-sharing platform Turo, erupted in flames outside the Trump International Hotel's main entrance. The blast resulted in one death and seven injuries, according to Las Vegas police. The injured individuals suffered minor injuries, and the hotel was evacuated as a precaution. Investigators confirmed that the explosion originated from materials stored in the truck's bed, including fireworks, gas tanks, and camping fuel. These were connected to a detonation system believed to have been controlled by the driver.



by the Iron Dome anti-rocket system, while the rest "likely fell in open areas." This marked the second consecutive day of projectile fire from the besieged enclave as the Israeli onslaught continues. The two longrange rockets fired on Saturday from Gaza toward the Jerusalem area were

Strip, causing mass destruction,

widespread hunger and diseases, and



to maintain security control. The Hamas-led assault on southern Israel on October 7, 2023, resulted in the kidnapping of approximately 250

ceasefire, Xinhua news agency civilians and soldiers, of whom around reported. Hamas seeks to prolong the 100 are still believed to be held in Gaza. truce, while Israel insists on the right to The subsequent Israeli offensive has resume military action if it perceives a had a devastating impact on the Gaza security threat. Another point of Birmingham's New Year Eve Hoax: Thousands

World. In a bizarre situation, thousands of Britons were duped into gathering at Birmingham's Centenary Square on New Year's Eve after being hoaxed into believing by social media scammers that a non-existent fireworks

display was about to take place to celebrate the occassion. Based on social media rumors, the hopeful spectators arrived at the venue, only to be met with disappointment as no event had been organised, according to a report in The Guardian.Images and videos showed thousands of people gathered in anticipation as the clock ticked past the midnight mark. Although there were some loud cheers as the year 2025 was ushered in, the promise of grand pyrotechnics turned out to be a damp squib."We're aware of speculation of a New Year's Eve fireworks display taking place in Birmingham's Centenary Square tonight - but we can confirm this is not the case," the West Midlands Police said.Birmingham Updates is believed to be one of the social media accounts that disseminated the false news

leading to the gathering."As a social media page we frequently source including local journalists and third party sites, in light of this we are now

Tricked Into Non-Existent Fireworks Gathering



reviewing our sources and editorial guidelines," said a spokesperson of the page which is run by a marketing agency called Nonsensical.otably, prior Superintendent Emlyn Richards had issued a warning, urging the public to not gather. We don't want people travelling unnecessarily into the city centre tonight to be left disappointed

after discovering the event isn't taking place," said Mr RichardsInternet reacts information from a number of sources As the news of the incident went viral, social media users poked fun at the spectators who went to the venue while

> criticising the Birmingham council for allowing the people to gather without proper security arrangements."You could not have made this made up, lol," said one user, while another added: "Can you imagine hitting midnight and just nothing happening." A third commented: "I'm sorry but thousands of people being duped by AI into thinking there would be fireworks in Centenary Square, only for

them to count down to nothing at midnight is the most Birmingham thing I've ever heard. Absolutely tragic."

to the rumored event, Birmingham This is not the first instance when such a mass-level hoax has led to a public gathering. On Halloween last year, thousands of people gathered at the Dublin city centre for a nonexistent spooky season parade.



Jeremy Schwartz, the FBI's special agent in charge in Las Vegas, confirmed that the agency's joint terrorism task force is leading the investigation.

The explosion's timing has raised concerns about a potential link to an earlier attack in New Orleans. In that incident, a man drove a pickup truck into a crowd of New Year's revellers, killing at least 15 and injuring dozens. Authorities identified the attacker as Shamsud-Din Jabbar, a 42-year-old US citizen and former military IT specialist, who appeared to have been inspired by the Islamic State group.

Both vehicles involved in the Las Vegas and New Orleans incidents were rented through Turo, a carrenting company. Turo's spokesperson stated that the company is cooperating fully with law enforcement and noted that neither renter had a criminal background that would have flagged them as security threats.

Anti-Israel Protesters Call For "Intifada Revolution" at New York's Times Square

The protest came hours after US Army veteran Shamsud-Din Jabbar, flying an ISIS flag from his truck, swerved around makeshift barriers and plowed into New Orleans' crowded French Quarter on New Year's Day.

New York, US. Hundreds of anti-Israel demonstrators gathered at New York City's Times Square on New Year's Day on Wednesday, calling for an "intifada revolution". Attendees waved Palestinian flags and carried placards that said "Zionism is cancer," "No war on Iran," and

Incidentally, the protest happened just hours after a terrorist carried out a deadly car attack in the French Ouarter of New Orleans, that killed at least 15 people.

The protest was reportedly organized by the Palestinian Youth Movement, the Party for Socialism and Liberation and the People's Forum. Demonstrators shouted slogans --"There is only one solution: Intifada revolution," "Resistance is glorious

- we will be victorious," and "Gaza, you make us proud," according to a report by the New York Post.In one of the videos of the protest circulating on social media, a female demonstrator wearing a keffiyeh can be heard saying, "We're sending you back to Europe you white b-ches."

"Go back to Europe! Go back to Europe," she shouted at counter-protestors outside the event at the Big Apple.Another speaker shouted through a megaphone, "2024 was



a year of struggle against the crime of Zionism."The came hours after US Army veteran Shamsud-Din Jabbar, flying an ISIS flag from his truck, swerved around makeshift barriers and plowed into New Orleans' crowded French Quarter on New Year's Day. Police officials said 42-yearold Jabbar may have had the help of others to carry out the attack in which 15 people were killed. The attack injured about 30 other people, including two police officers

wounded by gunfire from Jabbar, who was later shot dead by cops. The attack took place around 3:15 am near the intersection of Canal and Bourbon Streets, a historic tourist destination known for its music and bars where crowds were celebrating the New Year. Three improvised pipe bombs were found nearby in the touristdrawing French Quarter, including one in Jabbar's truck. US President Joe Biden condemned

what he called a "despicable" act and said investigators were looking into whether there might be a link to a Tesla truck fire outside a Trump hotel in Las Vegas. So far, there was no evidence linking the two events, Biden said.

The FBI also reported to me that mere hours before the attack, he posted videos on social media indicating that he's inspired by ISIS, expressing the desire to kill," Biden said of the New Orleans suspect.

Friday, 03 January 2025

Will Rohit Sharma play in Sydney Test Gautam Gambhir evades questions

New Delhi. India coach Gautam Gambhir declined to confirm whether captain Rohit Sharma would play in the Sydney Test against Australia when asked directly about his inclusion. Rohit was observed during warm-ups, shadow-practising his drives and kicking a football around with his teammates. However, when questioned about Rohit's availability, Gambhir stated that the team had yet to finalise their playing XI and would make the decision tomorrow after assessing the pitch.A journalist persistently questioned Gambhir, asking why the captain had not attended the press conference on the eve of the Test, highlighting that it is a tradition in Test cricket. While Gambhir confirmed that India



would miss fast bowler Akash Deep due to an injury, he remained non-committal regarding the team combination and Rohit's inclusion in the playing XI."Everything is fine with Rohit. I don't think it's a tradition. The head coach is here. That should be fine, that should be good enough. I am going to have a look at the wicket and finalise it tomorrow," Gambhir said. Also Read: Just reports, not truth - Gambhir on reports of dressing room leaksWhen asked if Rohit would feature in Team India's plans, Gambhir reiterated: "As I just said, we are going to have a look at the wicket and announce the playing XI tomorrow."Several fans and pundits have questioned Rohit Sharma's place in the side following his lacklustre performances with the bat in the Border-Gavaskar Trophy. Rohit has managed only 31 runs in three Tests, and his body language on the field as a skipper has also come under scrutiny. Former India opener Aakash Chopra was among those who stated outright that dropping Rohit would not be an unfair decision for the Sydney Test.

Who is Beau Webster? Australia all-rounder set to debut in SCG Test vs India

New Delhi Australia will hand Beau Webster his debut in the New Year's Test against India, replacing the out-of-form Mitchell Marsh in the playing XI for the Sydney Test. This is the only change to the team that secured a commanding 2-1 series lead in Melbourne, with Mitchell Starc declared fit to play despite experiencing rib soreness during the Boxing Day Test.

Marsh, Australia's T20 captain, managed only 73 runs across the first four Tests and bowled sparingly as the team rebounded from a heavy defeat in the Perth opener. Meanwhile, Webster, 31, is set to make his international debut in any format. The Tasmanian allrounder boasts an impressive domestic



record, having scored 5,297 runs and taken 148 wickets in 93 first-class matches. WHO IS BEAU WEBSTER?

Born on December 1, 1993, Webster's cricketing journey began with age-group cricket for Tasmania before debuting in firstclass cricket in 2014. Over the years, he has cemented his reputation as a versatile player. He has scored 5,297 runs in 93 first-class matches at an average of 37.83, including 12 centuries. With the ball, Webster took 148 wickets, solidifying his status as a genuine all-rounder.In a career-defining move four years ago during the COVID-19 pandemic, Webster transitioned from off-spin to seam bowling. The switch, coupled with relentless gym sessions, has paid dividends. Tasmania captain Jordan Silk praised Webster's adaptability: "He's basically playing as our third seamer and top-six batter, which is a pretty good luxury to have in our side."

Webster's contributions have been critical for Tasmania, particularly in recent seasons. Since the start of the 2022/23 campaign, he has amassed 1,837 runs at an average of 51.01 and taken 39 wickets.

Transition phase in Test team has already begun, says coach Gautam Gambhir

Australia vs India: Speaking to the press on the eve of the New Year's Test in Sydney, coach Gautam Gambhir said the transition phase in the Test team is not just a challenge but an exciting opportunity.

New Delhi. Head coach Gautam Gambhir acknowledged that a transition phase in the Test team has begun but emphasised that it is not about phasing out senior players, as India prepare for the next cycle of the World Test Championship. Addressing the press on the eve of the New Year's Test against Australia in Sydney, Gambhir expressed his satisfaction that the transition is occurring in both the batting and bowling departments, unlike certain periods in the past.Border-Gavaskar Trophy: Full Coverage

Questions about Virat Kohli and Rohit Sharma's place in the side have intensified after India conceded an unbeatable 2-1 lead to Australia following the 184-run defeat in Melbourne. While Kohli has struggled for

declined sharply. The India captain has managed just 31 runs in three Tests in the Border-Gavaskar Trophy and only 164 runs in eight matches in the 2024-25 Test season,

averaging a mere 10.83 per innings."See, I will tell you one thing. I think Indian cricket will always be in safe hands till the time honest people are sitting in the dressing room. Honesty is the most important thing for any transition. It's not about phasing out senior players or getting the youngsters in. Ultimately, the only thing that can keep you in the dressing room is the performance," Gautam Gambhir said. The Indian head coach declined to answer questions about Rohit Sharma's place in the XI for the fifth and final Test, reiterating that a decision would be made on

Friday morning after assessing the pitch at the Sydney Cricket Ground.Gambhir's comments come at a time when several pundits have been discussing the futures of senior batters Virat Kohli and Rohit Sharma. Former head coach Ravi Shastri remarked that Kohli could continue in Tests for another three to four years but suggested that Rohit Sharma might need to make a decision about

Gavaskar Trophy. Former Australia captain Mark Waugh speculated that Rohit's Test career might be nearing its end, while former India opener Aakash Chopra called on Rohit



to drop himself for the Sydney Test TRANSITION PERIOD IS AN EXCITING TIME: GAMBHIR

Gambhir, who was part of the Indian team during a major transition phase that saw the careers of Sourav Ganguly, Rahul Dravid, and Sachin Tendulkar come to an end, described the current transition phase as not just a challenge but an exciting opportunity.

smooth transition is a collective responsibility, emphasising that both the batting and bowling units of the current team are already undergoing significant

changes."It's not the role of only the support staff, but you people as well. It's about not just criticising them, but trying to hug them out as well. Transition doesn't happen only for us; it happens for the entire country," Gambhir said."Yeah, it's an exciting time in Indian cricket. I felt that when transitions happened in the past, there was one department that was carrying the team forward. But at the moment, if you see this transition, it's happening in both departments. And it has already started. You see some younger

fast bowlers coming in. You have got some younger batters who have been on their first tour to Australia and done exceptionally well. Look at Yashasvi Jaiswal, Nitish Reddy and Washington Sundar, who is on his second tour. Akash Deep has done really well. I think the conversations that have happened are only around how we can play well in this series," he added.

Kusal Perera's hundred gives SL their first T201 win in New Zealand since 2006

New Delhi. Kusal Perera's maiden T20I century powered Sri Lanka to a thrilling seven-run victory over New Zealand in the final T20I, ending a 17-year drought for the visitors on Kiwi soil. This was Sri Lanka's first T20I win in New Zealand since 2006, a consolation in the threematch T20I series, which New Zealand won 2-1.

After being sent in to bat under overcast skies, Sri Lanka faced early trouble, losing both openers within the powerplay. However, Kusal Perera stepped up and transformed the innings with a blistering counter-attack. His remarkable century, off just 44 balls, set a record as the fastest T20I hundred by a Sri Lankan. Perera's knock was studded with

13 fours and 4 sixes."It's always a pleasure to score a 100. When I faced the first ball today, was like a wake-up call. You need to adjust to the extra bounce and conditions here. I always try to back myself and play my natural game. These conditions are Even a subdued finish in the final overs helpful for the seamers, the last two games we did not get a start, once you get a start



here you need to make it count. That's what I tried to do," Kusal Perera said after winning the Player of the Match series. Supported by skipper Charith Asalanka's solid 46, Perera guided Sri Lanka to an imposing total of 218/5, their second-highest T20I score. could not overshadow the platform set by

Chasing a challenging target of 219, New Zealand got off to a flying start, with openers Tom Robinson (37) and Rachin Ravindra (69) putting on an 81-run partnership in the powerplay. Their aggressive approach placed the Sri Lankan bowlers under pressure and gave the hosts a realistic chance of reaching the target.

However, Sri Lanka fought back with crucial wickets at key moments. Charith Asalanka (3/50) played a pivotal role, despite conceding runs, by

removing important batters. Daryl Mitchell's brisk 35 kept New Zealand's hopes alive, but the lack of middle-order support ultimately saw them fall short by

AUS vs IND: Akash Deep out of Sydney Test with back issue, confirms coach Gambhir

New Delhi. India coach Gautam Gambhir has confirmed that pacer Akash Deep is ruled out of the fifth and final Test against Australia, starting Friday in Sydney, due to a stiff back. Akash had claimed five wickets in the first two Tests in Brisbane and Melbourne. He was somewhat unlucky not to take more wickets, as several catches were dropped off his bowling during those matches. "Akash Deep is out with a back issue," India coach Gautam Gambhir confirmed during the pre-match press conference.

The 28-year-old right-arm pacer bowled a total of 87.5 overs in the series so far, and the injury could be attributed to the heavier-than-usual workload he has endured. The hard Australian pitches are notorious for causing knee, ankle, and back issues for fast bowlers. Either Harshit Rana or Prasidh Krishna is expected to replace Akash in the playing XI. India trail 1-2 in the five-match series and must win the final game to retain the Border-Gavaskar Trophy.India's selection decisions throughout the tour have raised eyebrows, starting in Perth where both Ravindra Jadeja and R. Ashwin were benched in favor of Washington Sundar. Harshit Rana, who made his debut in Perth, was also included in the



Adelaide Test but visibly struggled with the demands of back-to-back matches and long bowling spells. The trend continued in Melbourne, where India opted to field three all-rounders-Nitish Kumar Reddy, Jadeja,

Pat Cummins set to miss Sri Lanka tour, explains desire to be at home with family

New Delhi Australian captain Pat Cummins has hinted at the possibility of skipping the upcoming Sri Lanka Test series, scheduled for January 29 and February 6, as he prepares to welcome his second child. The star fast bowler, whose wife Becky is due to give birth later this month, expressed a strong desire to prioritise being with his family during this significant time. In his absence, Steve Smith or Travis Head may be handed the captaincy of Australia for the Sri

Cummins' decision is deeply influenced by personal experiences, particularly the recent loss of his mother, Maria, and his reflections on balancing professional commitments with family life. Speaking at the launch of the Pink Test for the McGrath Foundation—a cause close to Australian cricket, now expanding its support to all cancer patients-Cummins shared his



evolving perspective."In some ways it really makes you focus in on what I think is important," he told the Daily Telegraph at the launch of the Pink Test. "It's family, it's think that's been a slight shift in the way I've approached playing and touring and it's just given me that real decluttering mindset.

"When you go out you just want to play well and of course there's going to be pressure,

but you don't want to forget that what mum and dad used to say to us every time we went and played as kids, was to go and enjoy it. Try your best, but make sure you enjoy it. I try and remind myself of that every time I go on a tour or play."Whatever you choose to do there's always an opportunity cost. And I think in the last few years that's probably rung true. That is when you go away on a tour you are missing out on maybe family time or moments. That's a deliberate choice so

make sure you are making the most of that tour or that game if that makes sense." enjoyment, it's trying to find joy in life and I Reflecting on the birth of his first child, Albie, Cummins expressed regret for missing the early weeks of his son's life while playing in a World Cup. "I missed a big chunk last time. I want to spend more time at home for this

initial period," he said.

and Washington—while dropping their No. 3 batter, Shubman Gill. Adding to the puzzling decisions, they promoted the out-of-form Rohit Sharma to open the innings in place of KL Rahul, who had looked steady at the top, disrupting the team's balance further.

Just reports, not truth: Coach Gautam Gambhir on leaks from Indian dressing room

Coach Gautam Gambhir has dismissed reports of a rift within the Indian dressing room, emphasising the importance of maintaining privacy in dressing room discussions. The controversy has added to the mounting pressure on the Indian team, which trails 1-2 in the series.

New Delhi India's head coach Gautam Gambhir has addressed the controversy surrounding reports of leaked dressing room conversations during the ongoing Border-Gavaskar Trophy, emphasising the importance of "honesty" and maintaining confidentiality within the team. Speaking to the press on the eve of the final Test in Sydney, Gambhir dismissed reports of unrest following the Boxing Day Test defeat, where India succumbed to Australia by 184 runs.

A report had suggested that Gambhir had delivered a scathing address to the team after the defeat, reportedly criticising players for



prioritising their "natural game" over adapting to match situations. However, Gambhir downplayed the incident, stating, "Those are just reports. That's not the truth. I don't think I need to answer any reports. There were some honest words, that is what I can say. Honesty is very important. Honesty is extremely important if you want to go and achieve great things. The coach also reaffirmed the need for unity within the squad, saying, "Team first. It's a team game, and everyone understands this. Debates between a player and a coach should stay

between them. Any conversations in the dressing room should stay in the dressing room."The controversy arose after a report by The Indian Express detailed Gambhir's frustration during the post-match team meeting, where he reportedly warned players unwilling to adhere to his team strategies that they would face exclusion. Gambhir, who took over as head coach in July, admitted in the reported post-match meeting to allowing players more freedom over the past six months but signalled a stricter approach moving forward.Former

cricketers Irfan Pathan and Sreevats Goswami criticised the breach of confidentiality, with Pathan stating, "What happens in the dressing room should stay in the dressing room."EXTREMELY CONFIDENT OF WINNING SYTNEY TEST: **GAMBHIR**

Gambhir said the focus will now shift to winning the Sydney Test and that he is "extremely confident" of the team putting on a strong show in the series finale"There has been only one conversation and it is about how to win the Test. There is no other conversation apart from this. Everybody knows how important this Test match is. There is no

other conversation apart from this," he said."Extremely, extremely confident. We have got the skillset, we have got the individuals, confidence and everything in the dressing room to win a Test match here. Not only here, but probably go on to do some unbelievable things in the future as well. So, extremely confident," he said.India and Australia will meet in the fifth Test, starting January 3 in Sydney. India will be able to retain the Border-Gavaskar Trophy if they win the final Test and draw the series 2-2.



He Says, 'I Need Help. My Wife Wants... ollywood actress Sonakshi Sinha, last seen in Kakuda, jokingly shared her annoyance with husband Zaheer Iqbal's antics. On Wednesday, she posted an Instagram Story with a video of Zaheer playfully teasing her for her love of long camera shots. The actress wrote on the video, "You are a VVIP, very very

> and Australia at the Melbourne Cricket Ground. She shared Instagram Stories showing her cheering for Team India amidst the massive crowd. One video even captured her husband, Zaheer Iqbal, playing cricket with kids during the break.

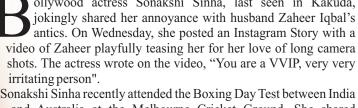
Salman Khan. Interestingly, both began their Bollywood journeys under Salman's

mentorship. Sonakshi Sinha made her debut opposite Salman Khan in the blockbuster hit Dabangg, while Zaheer Iqbal stepped into Bollywood with Salman's production Notebook. The couple reportedly dated for seven years and lived together

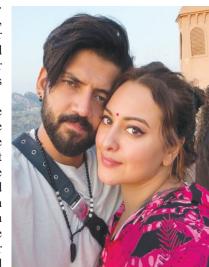
> for a year before tying the knot. Their wedding was followed by a star-studded reception attended by Bollywood A-listers like Salman Khan, Sanjay Leela Bhansali, Kajol, Tabu, and Yo Yo Honey Singh, among others.

On the professional front, Sonakshi is gearing up to share the screen with her husband in Tu Hai Meri Kiran. The duo has previously worked together in the film Double XL alongside Huma Qureshi and a music video titled Blockbuster.

Sonakshi Sinha and Zaheer Iqbal tied the knot on June 23 in a private ceremony in Mumbai after dating for almost seven years. The couple had also lived together for a year before tying the knot. Their wedding was followed by a grand reception attended by top Bollywood stars like Salman Khan, Sanjay Leela Bhansali, Kajol, Tabu, and Yo Yo Honey



Sonakshi and Zaheer, who tied the knot on June 23 in Mumbai after seven years of dating, first met at a party hosted by





Reveals Similarity With Deepika Padukone: 'Showing Our Human Side Is Beautiful'

nanya Panday, who starred alongside Deepika Padukone in Gehraiyaan, recently reflected on a Lunique similarity she shares with her co-star. The young actress opened up about showing their "human" side, especially on tough days, and how both she and Deepika embrace their emotions rather than suppress them. In an interview with Filmfare, Ananya was asked about dealing

with angst and emotional baggage from the past. She candidly replied, "No," explaining that she tends to release her emotions in the moment. "I'm the kind of person who has to let it all out," she said, describing her approach to processing feelings.

Ananya elaborated on how she openly displays her emotions on set, even on bad days, allowing those around her to see her vulnerable, human side. She mentioned noticing the

same trait in Deepika Padukone while working with her. "Because at the end of the day, people forget that... when you're an actor, they think, 'Oh, you don't feel anything,'" Ananya shared, adding that she found it beautiful how Deepika also embraced her humanity.

Highlighting the importance of vulnerability, Ananya revealed her own methods of coping. "I don't hold onto baggage," she said, adding that crying, venting, or therapy help her move on quickly. "I get over it at the end," she concluded. The two actresses shared screen space in Shakun Batra's 2022 romantic drama Gehraiyaan, where they played sisters navigating complex relationships. The film, which premiered on Amazon Prime Video, also featured Siddhant Chaturvedi, Dhairya Karwa, Rajat

> Kapoor, and Naseeruddin Shah. Ananya has an exciting slate of projects lined up for 2025. Among them is an untitled film based on the life of C. Sankaran Nair, where she stars alongside Akshay Kumar and R. Madhavan. Additionally, the romantic drama Chand Mera Dil with Lakshya, produced by Dharma Productions, is

highly anticipated. Fans can also look forward to sequels like Kho Gaye Hum Kahan 2 and Call Me Bae 2, as well as her action-drama Shankara. Meanwhile, Deepika Padukone, currently enjoying her motherhood phase, was last seen in the Cop Universe film Singham Again. While fans eagerly await her next Bollywood announcement, her role in Rohit Shetty's blockbuster has left audiences excited for more.



Natasa Stankovic Hopes For 'Peace' And 'Love' In 2025 After Separation From Hardik Pandya



atasa Stankovic is hoping for peace, joy and love in 2025. On Tuesday night, the actress took to her Instagram handle and shared a series of pictures expressing gratitude for 2024 and hoping for a better 2025. In multiple of these pictures, Natasa was seen spending some quality time with her son, Agastya. However, it was the caption of Natasa's post that caught everyone's attention. "2024 I really liked you ?? you taught me a lot and for that I am grateful? I pray that 2025 brings peace, joy and love ??," she wrote. Check it out here:

It should be noted that 2024 wasn't easy for Natasa. The actress parted ways from her cricketer husband Hardik Pandya. The two, who tied the knot in May 2020 and renewed their wedding vows according to the Hindu and Christian rituals in February 2023, confirmed their separation in July 2024. Following their separation, Natasa was brutally trolled by many on social media.In November, Natasa spoke about her life after her split from Hardik and shared how she is still 'family' with Pandya because of their son."We (Hardik and I) are still a family. We have a child, and the child will always make us a family at the end of the day. I haven't done that anyway because Agastya needs to stay with both parents. It's been 10 years and I go every year at the same time back in Serbia," she told ETimes.

Natasa also talked about how she had to remain strong and learn to love herself for Agastya. "I've learned to love myself with Agastya, by being with him. I understood that for the child to be happy, he needs me - as a mother - to be happy and mentally healthy. So, there was no way for me to fall down. I just had to stand and be like - Nobody can touch me, nobody can touch him. No matter what someone says, the moment, you know your worth, you know who you are, and you know that your heart is clean, nobody can shake you. I've reached that point," she

Sutapa Sikdar Reflects **On Life Without Irrfan** Khan: 'Babil And Ayan Have Their Struggles'



riter and actor Sutapa Sikdar recently opened up about the immense challenges she has faced since the passing of her husband, the late actor Irrfan Khan. Speaking in an interview with Times Entertainment, Sutapa candidly shared how her life has changed and how her sons, Babil and Ayan, are also navigating their own struggles in the absence of their father.Reflecting on life without Irrfan, Sutapa said, "It's a task to deal with life after Irrfan. I used to think that I wouldn't be able to share this emotion with anyone, but lately I feel more comfortable talking about him. It's been a long time since he has been gone, but I am not the same person as I was before. I have also struggled to give time to writing and come up with something I am passionate about."

Sutapa, who has made her mark as a dialogue writer with films like Kahaani, Shabd, and Khamoshi. and produced the 2016 film Madaari, starring Irrfan, revealed how her creative process has been affected by his loss. "I am the most passionate about writing, but since Irrfan, I have not been able to get in touch with my emotions and put the pen to the paper in an effective manner. I am trying to write a book and film, where the former is about my husband. While I have been in an artistic rut, I want to share heartfelt stories of our journey together."

Beyond her own struggles, Sutapa highlighted how their sons are coping with life without Irrfan. "Both of my sons have struggles of their own and often find themselves lost without their father. Irrfan was the composed character of our household, while I was the one who would panic quite easily," she shared, adding that revisiting her life for the sake of her children ha become an important part of her journey.

The Life and Legacy of Irrfan KhanIrrfan Khan, one of Indian cinema's finest actors, left an indelible mark on both Bollywood and Hollywood with his unparalleled talent and versatility. Born on January 7, 1967, in Jaipur, Rajasthan, Irrfan pursued acting at the National School of Drama before making his breakthrough in films like The Warrior and Maqbool. Known for his nuanced performances, he starred in critically acclaimed films such as Paan Singh Tomar, The Lunchbox, Piku, and Hindi Medium. Internationally, he was celebrated for his roles in films like Slumdog Millionaire, Life of Pi, The Namesake, and Jurassic World.